A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 19 सितंबर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 22, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

पहचान ले मुझको वो
नज़र ढूँढ रहा हूँ
ख़ामोशी को पढ़ ले वो
बशर ढूँढ रहा हूँ।
जिस दर पे जाके ख़त्म हों
दुनिया के दर सभी
दर दर भटकता मैं वही
दर ढूँढ रहा हूँ ।
दुनिया के हर इक कंठ को
अपना ही स्वर लगे
स्वर मे स्वयं के मैं वही
स्वर ढूँढ रहा हूँ।
किसकी लगी नज़र है मेरे
घर को रब कि अब
अपने ही घर में अपना
मैं घर ढूँढ रहा हूँ।
हूँ खो गया जाने कहाँ
ख़ुद की तलाश मे
ख़ुद ही में आज ख़ुद की
ख़बर ढूँढ रहा हूँ।

– दिनेश मालवीय 'अश्क'

प्रसंगवश

नेपाल का लोकतंत्र अपने सियासी उतार-चढ़ाव को सह पाएगा?

संजीव अहलूवालिया

यह नेपाल की घरेलू शांति और सुरक्षा के मानकों का ही परिणाम है कि सोशल मीडिया ऐप्स पर सरकार की पाबंदी से भड़के छात्र आंदोलन में उन्नीस लोगों की जान गई और सत्ता में बैठी सरकार गिर गई।

इस घटना को एक बार की बात समझकर नजरअंदाज करना सही नहीं होगा। इसे सिर्फ किसी विदेशी साजिश बताना जैसे बांग्लादेश (2024) में या उससे पहले श्रीलंका (2022) में कहा गया था भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं लगता। सबसे जरूरी है कि नेपाल की राजनीतिक उथल पुथल झेलने की क्षमता को मजबूत किया जाए।

एक जीवंत लोकतंत्र की बुनियाद एक मजबूत बहुदलीय व्यवस्था होती है, जिसमें संस्थागत नियंत्रण और संतुलन शामिल हों ताकि कानून का शासन कायम रहे, चाहे वह सत्ताधारी दल के खिलाफ ही क्यों न हो। यही वह बिंदु है जहां कई विकासशील देशों की सरकारें कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। जटिल शासकीय ढांचे और प्रक्रियाएं शासकों को जनता से दूर कर देती हैं और प्रशासन में एक धुंध पैदा कर देती हैं, जिससे नागरिकों के हित में काम करने की बजाय स्वार्थी होना आसान हो जाता है।

सरकार के मानदंडों में सिर्फ ज्यादा और लंबे समय तक एक ही तरह से काम करने से सुधार नहीं होता। इसका उदाहरण दक्षिण अफ्रीका है। 2013 तक वह वर्ल्ड बैंक के तीन अहम गवर्नेंस संकेतकों सरकार की प्रभावशीलता, नियमन की गुणवत्ता और कानून के शासन में भारत से ऊपर था। लेकिन 2013 में नेल्सन मंडेला के निधन के बाद के एक दशक में, लोगों और सरकार के बीच का वो सकारात्मक राजनीतिक जुड़ाव कम हो गया, जिसे अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस ने संघर्ष के वर्षों में इतनी मेहनत से बनाया था। दुख की बात है कि 2023 तक इन संकेतकों पर दक्षिण अफ्रीका भारत से भी नीचे चला गया। यह दिखाता है कि बड़े और अचानक किए गए शासन सुधार अपने आप में कोई जादुई हल नहीं हैं। जैसा कि नेपाल ने 2008 में राजतंत्र खत्म करके और 2015 तक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अपनाकर किया, लेकिन इससे सारी समस्याएं हल नहीं हुईं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारें रोजमर्रा के मामलों में उच्च संवैधानिक सिद्धांतों को कैसे लागू करती हैं। केवल यही आशा की जा सकती है कि नेपाल संवैधानिक परिवर्तन के माध्यम से शासन संबंधी समस्याओं के लिए कोई नया कानूनी समाधान न अपनाए। इसके बजाय, यह आत्म निरीक्षण करना बेहतर होगा कि राजकोषीय आवंटन कितने प्रभावी ढंग से और किसके हित में किए जा रहे हैं और जनता का पैसा कितना सही ढंग से खर्च हो रहा है।

राजतंत्र की ओर वापसी प्रगति का सबसे कम संभावित रास्ता है, क्योंकि तेजी से विकसित हो रही दुनिया में सत्ता का विकेन्द्रीकरण किसी स्थिर और केंद्रीकृत निरंकुश शासन से कहीं बेहतर है।

ऊपर बताए गए तीन गवर्नेंस संकेतकों में नेपाल बांग्लादेश से बेहतर करता है, हालांकि कानून के शासन और नियामक प्रभावशीलता में श्रीलंका या भारत जितना अच्छा नहीं है। लेकिन सरकार की प्रभावशीलता के मामले में नेपाल बांग्लादेश से भी पीछे है। यह एक प्रमुख संकेतक है जो यह आकलन करता है कि सरकार अपने लक्ष्यों और विचारधारा को जमीनी स्तर पर नागरिकों के लिए मापनीय लाभों में कितनी अच्छी तरह परिवर्तित करती है। यह सच है कि नेपाल की गवर्नेंस पर असर पड़ा है, क्योंकि 2008 में राजशाही के खत्म होकर लोकतंत्र आने के बाद से अब तक तेरह सरकारें बनीं, जिनका औसत कार्यकाल मुश्किल से एक साल से थोड़ा अधिक रहा। तो क्या यह सिर्फ इतना भर है कि लोकतंत्र अभी नया है—और यह हैरानी की बात भी नहीं, क्योंकि राजशाही का अंत अभी हाल ही में हुआ है।

देशों में भले ही कुछ अंतर हों, दक्षिण एशिया की आर्थिक संरचना में ज्यादा फर्क नहीं है। सभी देश निम्न-मध्यम आय वाले हैं, जिसमें श्रीलंका की प्रति व्यक्ति जीएनआई सबसे ज्यादा है। सभी देशों के पास संसाधनों की कमी है, बुनियादी ढांचे का विकास कम है और वे जीडीपी के मुकाबले बड़े वित्तीय घाटे और उच्च लेकिन स्थिर कर्ज का सामना कर रहे हैं।

नेपाल का कर्ज सबसे कम है और उसे रियायती दर पर उधार मिलता है - हाल ही में उसे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अमेरिकी सरकार से 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का समर्थन मिला है। यह सौभाग्य की बात है कि नेपाल एक युवा राष्ट्र है, जिसकी औसत आयु 25 से 27 वर्ष के बीच है, इसलिए यहां विकास के लिए पर्याप्त युवा ऊर्जा मौजूद है। कुल प्रजनन अनुपात पहले से ही 2 से नीचे है और 2065 में जनसंख्या 36 मिलियन के शिखर पर पहुंचने की उम्मीद है।

अनुमान है कि नेपाल के लगभग एक चौथाई नागरिक विदेश में रहते हैं, जो उनकी उद्यमशीलता का प्रमाण है। युवा (15 से 24 साल) की साक्षरता दर बहुत अच्छी है, 92 प्रतिशत, जैसा कि भारत में 91 प्रतिशत है, लेकिन उच्च शिक्षा में नामांकन केवल लगभग 14 प्रतिशत है, जो पाकिस्तान के 11 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन भारत के 28 प्रतिशत, बांग्लादेश के 21 प्रतिशत या श्रीलंका के 32 प्रतिशत से कम है। इसका असर युवा बेरोजगारी पर पड़ता है, जो 20 प्रतिशत है, जबकि बांग्लादेश में 12 प्रतिशत और भारत में 17 प्रतिशत है। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा भारत के विशाल और तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुंच देती है, लेकिन नेपाल की गैर-कृषि घरेलू अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी केवल 60 से 65 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह 70 से 75 प्रतिशत है।

भारत के नेपाल के साथ घनिष्ठ और पारंपरिक संबंध हैं। भारत की यह भी दिलचस्पी है कि नेपाल, भारत और चीन के बीच एक गैर-गठबंधन बफर स्टेट बना रहे। सांस्कृतिक और शैक्षिक रिश्ते पहले से मौजूद हैं। नेपाल की तरह भारत भी गैर-कृषि क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने की दिशा में सक्रिय है।

ऊर्जा सहयोग भविष्य की विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। तकनीकी शिक्षा, तकनीक विकास और अनुसंधान एवं विकास में करीबी सहयोग BwB (बिजनेस टू बिजनेस) संबंधों में और मूल्य जोड़ सकता है।

बहुपक्षीय मंचों पर और अधिक सहयोग और सीमाओं के पार निर्बाध व्यापार, दोनों देशों के बीच भरोसे को मजबूत करेगा। सबसे अहम बात यह है कि भारत अगर नेपाल के लोकतांत्रिक संकट को अपना मानकर तकनीकी, प्रशासनिक और वित्तीय स्तर पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सहयोग दे, ताकि नागरिकों और कारोबार पर पड़ने वाले असर को कम किया जा सके, तो यह न सिर्फ उचित होगा बल्कि यह भी साबित करेगा कि एक राजनीतिक रूप से स्थिर और आर्थिक रूप से मजबूत नेपाल से भारत को ही फायदा है।

(द क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भारत में पहली बार बनेगा संयुक्त सैन्य स्टेशन

तीनों सेनाओं की एजुकेशन विंग का भी होगा विलय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने तीनों सेनाओं के संयुक्त सैन्य स्टेशन बनाने का फैसला किया है। यह देशभर में अपनी तरह का पहला ऐसा स्टेशन होगा। सशस्त्र बलों में अधिक एकजुटता और एकीकरण लाने के लिए भारत के शीर्ष सैन्य पदानुक्रम ने बुधवार को तीन संयुक्त सैन्य स्टेशन बनाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही तीनों रक्षा सेवाओं की शिक्षा शाखाओं को एक त्रि-सेवा शिक्षा कोर में विलय करने पर भी सहमति व्यक्त की गयी है। कोलकाता में आयोजित तीन दिवसीय संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन के अंतिम दिन घोषित

ये निर्णय इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड बनाने पर चल रही चर्चाओं के बीच लिए गए हैं।

हालांकि,तीनों संयुक्त सैन्य स्टेशनों के स्थान अभी तक ज्ञात नहीं हैं लेकिन सूत्रों ने बताया कि मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, ग्वालियर, पुणे और सिकंदराबाद सहित कुछ स्थानों पर चर्चा चल रही है। ये सभी स्थान तीनों सेनाओं में से किसी एक के अधीन काम करने वाले थे। एक संयुक्त सैन्य स्टेशन का प्रभावी अर्थ यह होगा कि थलसेना, नौसेना और भारतीय वायु सेना की सभी सुविधाएं बुनियादी ढांचा, मरम्मत और रखरखाव के साथ-साथ भंडार और आपूर्ति सहित संयुक्त हो जाएंगी ताकि उनका अनुकूलन किया जा सके और उन्हें एक साझा नेतृत्व वाली सेवा के अंतर्गत लाया जा सके। इस प्रकार, तीन संयुक्त सैन्य स्टेशन बनाने का निर्णय तीनों सेनाओं के बीच बेहतर एकीकरण लाने में कारगर होगा और मैनपावर, बुनियादी ढांचे और संपत्तियों के अनुकूलन में भी मदद करेगा। इसी प्रकार, त्रि-सेवा शिक्षा कोर के गठन का निर्णय भी एकजुटता बढ़ाने के उद्देश्य से है। साथ ही जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और प्रशासन का अनुकूलन और तीनों सेनाओं के कर्मियों का बेहतर एकीकरण सुनिश्चित करना है।

राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह का 168वां बलिदान दिवस

स्वदेशी ही था शंकर शाह और रघुनाथ शाह के अंग्रेजों से संघर्ष का मूल : मुख्यमंत्री

भोपाल/जबलपुर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वाधीनता संग्राम के अमर बलिदानी राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी, उसका मूल 'स्वदेशी' ही था। देश में हमारा अपना शासन और कानून होना चाहिए, इस भाव ने ही जनजातीय वीरों को विदेशी ताकतों से संघर्ष के लिए प्रेरित किया। वे अंग्रेजों के आगे कभी झुके नहीं और पिता-पुत्र (राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह) की जोड़ी ने एक लक्ष्य के लिए लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया और वे अमर हो गए। राज्य सरकार ने उनके बलिदान स्थल को स्मारक के रूप में विकसित किया है। अपनी संस्कृति के लिए प्रतिबद्ध राजा शंकर शाह अपने संस्कारों पर सदैव अडिग रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के 168वें बलिदान दिवस पर गुरूवार को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों अमर बलिदानियों को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस इंफोर्मेशन एवं कल्चर सेंटर में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं स्व-सहायता समूह की बहनों के स्टाल पर डिजिटल पेमेंट कर खरीददारी की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के रानी दुर्गावती चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सफाई श्रमदान किया। पी1 मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जबलपुर आगमन पर डूमना एयरपोर्ट पर लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

अंग्रेजों के सामने नहीं झुके, हो गए शहीद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह दोनों पिता पुत्रों ने रानी दुर्गावती की परम्परा को कायम रखते हुए अंग्रेजों के खिलाफ कविता के माध्यम से आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजों के सामने सीना ठोककर जंगल, जमीन और अपने राष्ट्र को बचाने के लिए गीतों की रचना की। अंग्रेज उनके विद्रोह को बर्दाश्त नहीं कर पाये और कायरता का परिचय देते हुए उन्हें तोप के मुंह पर खड़ा कर उड़ा दिया गया। अंग्रेजों ने दोनों पिता-पुत्रों को बंदी बनाकर बगैर कोई मुकदमा चलाये उन्हें तोप से उड़ाने का काम किया था। अंग्रेजों ने उनके सामने धर्म बदलने, अंग्रेजी सत्ता को स्वीकार करने और माफी मांगने की शर्त रखी और इसे मान लेने पर उनकी रिहाई के लिए तैयार थे। लेकिन दोनों पिता-पुत्रों ने अंग्रेजों के इस प्रस्ताव को बहादुरी के साथ ठुकरा दिया और कहा कि तोप से उड़ाने के बाद भी यदि वे बच गये तो फिर से अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ गीत लिखेंगे और अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए विद्रोह करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में जन्म और मृत्यु एक बार आती है, लेकिन देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले शहीद हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ऐसे ही शहीद हैं जो हमेशा के लिए अमर हो गये हैं। उनका बलिदान हमें देश सेवा और देश की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से उनके बलिदान दिवस पर मैं उन्हें नमन करता हूं।

राहुल और तेजस्वी का होश उड़ाने वाला प्लान है तैयार

● बिहार के लिए अमित शाह ने बिछाई बिसात, करेंगे खेला

डेहरी और बेगूसराय से शुरू हो चुका है 'मिशन बिहार'

पटना (एजेंसी)। प्रदेश भाजपा की चुनावी गाड़ी अब रफ्तार पकड़ने लगी है। गृह मंत्री अमित शाह पूरे बिहार को साधने निकल पड़े हैं। अपनी इस रणनीत के तहत पूरे बिहार को कई जोन में बांटकर समीक्षात्मक यात्रा की शुरुआत कर विपक्ष की धड़कन तेज कर दी है। इन क्षेत्रीय सम्मेलनों के जरिए कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के रस्ते उतर चुके अमित शाह डेहरी और बेगूसराय की धरती से अपनी इस नई रणनीति का शंखनाद कर विपक्ष के आगे नई चुनौती का आगाज तो कर दिया है। पर यह कोई आखरी नहीं बल्कि भाजपा एक-एक कर पूरे बिहार में क्षेत्रीय सम्मेलन कर विपक्ष को मात देने की रणनीति बनाने जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 भारतीय जनता पार्टी के लिए इस बार अमित शाह के लिए कुछ खास बन गया है। वजह भी है कि

गृह मंत्री अमित शाह ने इस बार सरकार बनाने की जिम्मेदारी स्वयं स्वीकार कर ली है। कहा जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली में हुई बैठक में एक रणनीति के तहत अमित शाह ने आगामी कई बैठकों को राजधानी के बजाए क्षेत्रों में करने की सलाह दी थी। गुरुवार को डेहरी और बेगूसराय में हुआ क्षेत्रीय सम्मेलन इसकी बानगी भर है।

अभी और कई जिलों में क्षेत्रीय सम्मेलन कर अमित शाह न केवल कार्यकर्ताओं में जोश भरना चाहते हैं, बल्कि उम्मीदवारी को लेकर ही अंतिम निर्णय करने वाले हैं। डेहरी की समीक्षात्मक बैठक में मगध और शाहाबाद की तमाम विधानसभा सीटों का फीड बैक लिया गया। बेगूसराय की बैठक में मुंगेर और बेगूसराय जिले की तमाम विधानसभा की चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 27 तारीख को भागलपुर, कटिहार और सीमांचल के विधान सीटों को लेकर समीक्षात्मक बैठक करेंगे। इस बैठक में 2020 के चुनाव परिणाम को सामने रख कर अमित शाह समस्त सीटों का मूल्यांकन करेंगे। इन तमाम विधानसभा सीटों की लेकर कार्यकर्ताओं से फीड बैक लेंगे।

भारत का कमाल, बनाया गजब का हाई-टेक डिवाइस

फोन और कार्ड की जरूरत नहीं,अब अंगूठे से पेमेंट!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब तक आपको पेमेंट करने के लिए कैश, कार्ड या वॉलेट की जरूरत होती थी, लेकिन अब आपके एक थंब प्रिंट से भी पैसे पे किए जा सकते हैं। भारत में एक नई तकनीक विकसित की गई है, जिससे आप अपने अंगूठे के निशान से पेमेंट कर सकते हैं। इसके लिए आपको कैश, कार्ड या मोबाइल की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भारत की एक स्टार्टअप कंपनी प्रॉक्सी ने थम्ब पे नाम का एक नया बायोमेट्रिक भुगतान डिवाइस लॉन्च किया है। यह डिवाइस लोगों को अपने अंगूठे से पैसे का लेन-देन करने की सुविधा देता है। थम्ब पे आधार और यूपीआई

से कनेक्टेड होगा, जिससे भुगतान करना आसान होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, थम्ब पे का इस्तेमाल करना आसान है, इसके लिए कस्टमर को बायोमेट्रिक डिवाइस पर अपना अंगूठा रखना होगा। इसके बाद आधार एनेबल्ड पेमेंट सिस्टम व्यक्ति की पहचान की पुष्टि करता है। फिर यूपीआई के जरिए बैंक से बैंक में पैसे ट्रांसफर हो जाते हैं। इस दौरान आपको न तो क्यूआर कोड स्कैन करना होता है और न ही स्मार्टफोन की दरकार होती है। कंपनी का बायोमेट्रिक डिवाइस छोटी दुकानों से लेकर बड़े स्टोर तक मे काम कर सकता है।

खुद मुनीर ने सैनिकों को आतंकियों के जनाजे में भेजा

जैश कमांडर बोला- जवानों ने वर्दी में ही अंतिम सलामी दी

ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए थे आतंकी, पाक की खुली पोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने सैन्य अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का आदेश दिया था। यह खुलासा आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने किया है। कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहा है- जनरल हेडक्वार्टर ने शहीदों को सम्मानित करने और अंतिम सलामी देने का आदेश दिया है। कोर कमांडरों को जनाजों के साथ चलने और वर्दी में उनकी सुरक्षा करने को कहा गया। कुछ महीने पहले पाकिस्तानी सैनिकों की सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हुई थी। इसमें सैनिक मारे गए आतंकी के अंतिम संस्कार में शामिल दिखाई दिए थे। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की एयर स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

मसूद इलियास कश्मीरी ने अपने बयान में यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने

संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और बहावलपुर के आतंकी कैंपों के बीच के संबंधों को छिपाने की पूरी कोशिश की।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 19 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बिहार के अररिया में 'गंगाजल' जैसा कांड

- तेजाब से किया गया हमला 10 युवक झुलसे
- कुछ की आंखों की गई रोशनी, गांव में तनाव

अररिया (एजेंसी)। बिहार के अररिया जिले में 'गंगाजल' फिल्म जैसी घटना की पुनरावृति देखने को मिली। धामा पंचायत के मटियारी वार्ड संख्या एक में बीती रात हुए तेजाब हमले में करीब दस युवक झुलस गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि कुछ की आंखों की रोशनी चली गई है। घायलों को अररिया सदर अस्पताल और महादेव चौक स्थित निजी नेत्र चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटना में शामिल

होने के आरोप में छह लोगों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, रंजीत यादव के घर के पास कुछ युवक स्मैक का नशा कर रहे थे। रंजीत ने उन्हें समझाने की कोशिश की और वहां से लौट गया। इसके बाद नशे में धुत युवकों ने रंजीत के भांजे की साइकिल तोड़ दी और गाली-गलौज शुरू कर दी। हंगामे की सूचना मिलते ही ग्रामीण जुट गए। स्थिति बिगड़ने पर नशेड़ी युवक एक घर में घुसकर कमरे में बंद हो गए। इसी दौरान गुस्साए ग्रामीणों ने कमरे के अंदर तेजाब फेंक दिया। तेजाब से हुए हमले में दस युवक बुरी तरह झुलस गए। चीख-पुकार के बीच ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना में कुमोद यादव पिता शिव नारायण यादव, पंकज यादव पिता चंद्रमोहन यादव, रंजीत यादव पिता चंद्रमोहन यादव आदि घायल हैं।

आजम खान के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ!

- क्वालिटी बार कब्जा केस में जमानत, हाई कोर्ट से बैक-टू-बैक राहत

रामपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को बड़ी राहत मिली है। रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार पर कब्जा केस में हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। 9 दिनों के अंदर आजम को बैक टू बैक 3 अहम केस में कोर्ट की तरफ से जमानत

मिली है। इससे उनके जेल से जल्दी बाहर आने की उम्मीद जताई जा रही है। रामपुर में साल 2008 के चर्चित क्वालिटी बार जमीन कब्जे के मामले में आजम की तरफ से हाई कोर्ट में जमानत की अर्जी लगाई गई थी। इस पर जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच ने गुरुवार को फैसला सुनाया है। इससे पहले 10 सितंबर को डूंगरपुर मामले में हाईकोर्ट ने आजम खान की बेल मंजूर की थी। इसके बाद 16 सितंबर को छजलैट प्रकरण और रास्ता जाम करके बवाल और अदालत की अवमानना के मामले में रामपुर की अदालत ने आजम को बरी किया था। अब क्वालिटी बार केस में भी जमानत इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली है।

'वोट चोरी' पर आर-पार का 'गेम' हो गया शुरू

- 18 महीने में 18 चिट्ठी लिखी फिर भी ईसी मौन:राहुल
- बीजेपी और ईसी ने भी किया पलटवार

वोट चोरी पर राहुल का नया हमला,दलितों-पिछड़ों पर खेला दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि पूरे देश में कांग्रेस को वोट देने वाले मतदाताओं के नाम जानबूझकर सूची से हटाये जा रहे हैं और यह काम स्वचलित, विकेंद्रीकृत और बहुत रणनीतिक तरीके से पूरे देश में किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को संरक्षन दे रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने सीईसी पर देश के लोकतंत्र को तबाह करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया और कहा कि जब शिकायत की जाती है तो उसकी कोई सुनवाई नहीं होती। गांधी ने कहा कि इससे साफ है कि ज्ञानेश कुमार आरोपियों को बचा रहे हैं और वोट चोरी की कार्रवाई को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में कुल कितने वोट डिलीट किए गए,लेकिन यह संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है। बस इतनी बात हुई कि इन 6,018 वोटों को डिलीट करते समय गलती से मामला पकड़ में आ गया।

90 चुनाव हार चुके, कोर्ट में भी मुंह की खानी पड़ी

- राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के नए आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी जब-जब इन आरोपों को लेकर कोर्ट पहुंचे हैं तब-तब उन्हें मुंह की खानी पड़ी। राहुल के आरोपों पर जवाब देते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उन्हें कभी माफी मांगनी पड़ी को कभी कोर्ट की लताड़ खानी पड़ी। ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगभग 90 चुनाव हार चुकी है। उनकी हताशा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने आरोपों की राजनीति को अपना आभूषण बना लिया है। गलत और निराधार आरोप लगाना राहुल गांधी की आदत बन गई है। माफी मांगना और अदालतों से फटकार खाना राहुल गांधी की दिनचर्या बन गई है। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी भारत में

बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात पैदा करना चाहते हैं। ठाकुर ने राहुल गांधी पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि वह इस बात से निराश हैं कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस 90 चुनाव हार चुकी है।

कोई वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं होता, मौका मिलता है

राहुल के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी की ओर से लगाए आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से जवाब दिया गया है।

आयोग ने कहा कि किसी भी वोटर को ऑनलाइन डिलीट नहीं किया जा सकता। इलेक्शन कमिशन ने कहा कि राहुल गांधी के सारे आरोप आधारहीन और गलत हैं। चुनाव आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि वोट काटने से पहले पक्ष रखने का मौका मिलता है। आयोग ने कहा कि यदि किसी का नाम डिलीट हुआ तो फिर डीएम और सीईओ के पास शिकायत भेजनी होती है। दरअसल राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि अनजान नंबरों से वोट डिलीट किए गए हैं।

राहुल गांधी ने कर्नाटक की आलंद सीट का उदाहरण देते हुए कहा था कि एक नंबर का इस्तेमाल करते हुए 10 से 12 नंबर डिलीट हुए। वहीं चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटाया नहीं जा सकता। आयोग के सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही कांग्रेस के आरोपों का सही जवाब देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जाएगी।

सीजेआई की टिप्पणी पर विश्व हिन्दू परिषद को ऐतराज

खजुराहो मूर्ति केस पर वीएचपी प्रमुख बोले- टिप्पणी ने हिन्दू आस्थाओं का उपहास उड़ाया

भोपाल (नप्र)। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने खजुराहो के जवारी (वामन) मंदिर में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित मूर्ति को पुर्नस्थापित करने की मांग वाली याचिका पर सीजेआई बीआर गवई ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सीजेआई की टिप्पणी पर विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने ऐतराज जताया है।

वीएचपी के आधिकारिक ङ्क पर आलोक कुमार का बयान जारी कर लिखा- परसों सर्वोच्च न्यायालय में खजुराहो के प्रसिद्ध जावरी मंदिर में स्थित भगवान विष्णु की खंडित मूर्ति की मरम्मत के लिए याचिका की सुनवाई थी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी की, मूर्ति की मरम्मत के लिए भगवान से ही प्रार्थना कीजिए। आप कहते हैं कि आप भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हैं, तो अब उन्हीं से प्रार्थना कीजिए।

कोर्ट पर सबका विश्वास, ये भरोसा न टूटे- आलोक कुमार ने कहा- न्यायालय न्याय का मंदिर है। भारतीय समाज की न्यायालयों में श्रद्धा और विश्वास है। हम सब का कर्तव्य है कि यह विश्वास ना सिर्फ बना रहे वरन् और मजबूत हो।विहिप के अध्यक्ष ने कहा-हम सब का यह भी कर्तव्य है कि अपनी वाणी में संयम रखें। विशेष तौर पर न्यायालय के अंदर। यह जिम्मेवारी मुकदमा लड़ने वालों की है, वकीलों की है और उतनी ही न्यायाधीशों की भी है।

डायबिटीज, लीवर और कैंसर मरीजों के लिए गुड न्यूज

प्राचीन चिकित्सा से सीएसआईआर ने बनाई 13 दवाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों एवं आधुनिक विज्ञान के समावेश से नई हर्बल दवाओं का आविष्कार कर रहा है। सीएसआईआर की लखनऊ स्थित तीन प्रयोगशालाओं ने ऐसी 13 दवाएं विकसित की हैं, जिन्हें स्टार्टअप के जरिये सुरक्षित तरीके से मरीजों तक पहुंचाने की मुहिम शुरू की गई है। सीएसआईआर की लखनऊ स्थित प्रयोगशाला राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान संस्थान (एनबीआरआई) में इस विषय पर दो दिवसीय कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। इस दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि लखनऊ की इन प्रयोगशालाओं 13 महत्वपूर्ण दवाएं विकसित की हैं। इनमें मधुमेह, कैंसर, फैटी लीवर की दवाएं शामिल हैं। इनमें डायबिटीज की दवा बीजीआर-34, रक्त कैंसर के लिए अर्जुन की छाल से बनी पैक्लिटैक्सेल और फैटी लीवर व लीवर कैंसर के लिए पिक्रोलिव प्रमुख हैं। बीजीआर-34 को राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान संस्थान (एनबीआरआई) और सीमैप ने छह प्रमुख जड़ी-बूटियों दारुहरिद्रा, गिलोय, विजयसार, गुड़मार, मंजिष्ठा और मेथी से विकसित किया है। यह दवा न केवल ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मदद करती है बल्कि लंबे समय में डायबिटीज रिवर्सल की दिशा में भी कारगर मानी जा रही है। एमिल फार्मास्युटिकल्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने कहा,दुनिया अब केवल डायबिटीज कंट्रोल नहीं बल्कि डायबिटीज रिवर्सल पर जोर दे रही है।

उत्तराखंड में थम नहीं रहा कुदरत का कहर

- अब चमोली में फटा बादल,10 लोग लापता
- हिमाचल में 419 मौतें,मसूरी में टूरिस्ट फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा है। 17 सितंबर की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 10 लोग लापता हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए। इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए हैं। हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ से अब तक 419 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने दोनों ही राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को अगले 48 घंटे हाई अलर्ट पर रखा है। देश में इस साल 24 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल पहुंचा था। देश में अब तक (17 सितंबर) सामान्य से 8 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 3 राज्यों राजस्थान (पश्चिम), पंजाब और हरियाणा से मानसून की विदाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन इसके जाते-जाते भी देश के 7 राज्यों में तेज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग और ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम के मुताबिक, सितंबर के आखिरी कुछ दिन और अक्टूबर की शुरुआत तक एक बड़े कम दबाव के क्षेत्र के साथ जबरदस्त बारिश के आसार हैं। 25-26 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में बड़ा मानसूनी सिस्टम लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इससे पूर्वी-पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छग, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-3 दिन तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 3 इंच तक पानी गिर सकता है। हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ से जुड़ी अलग अलग घटनाओं की वजह से सार्वजनिक संपत्ति को अब तक करीब 4596 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसमें सबसे ज़्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। वहीं, 1500 से अधिक पक्के और 3800 से ज्यादा कच्चे मकान या तो आंशिक रूप से टूट गए या पूरी तरह ढह गए। हैदराबाद में बालकमपेट फुटओवर ब्रिज पर बाढ़ का पानी चढ़ गया।

अहमदाबाद विमान हादसे में घिर गई बोइंग और हनीवेल

अमेरिका की सारी कोशिशें फेल! पीड़ितों ने कर दिया केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया विमान दुर्घटना को लेकर अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग पर शुरू से ही सवाल उठते रहे हैं। बोइंग में काम कर चुके उसके पूर्व कर्मचारी भी व्हिसलब्लोअर बनकर उसकी सच्चाई की पोल खोल चुके हैं। लेकिन, अब तक अमेरिकी एजेंसियों की कोशिश यही रही है कि किसी न किसी तरह से बोइंग को क्लीनचिट मिल जाए, ताकि अमेरिकी कंपनी की छवि पर बट्टा न लगे लेकिन, अब 12 जून को हादसे में मारे गए चार यात्रियों के परिजनों ने एयर इंडिया की फ्लाइट 171 के हादसे के लिए लापरवाही और खराब फ्यूल स्विच को दुर्घटना के लिए जिम्मेदार मानते हुए बोइंग और हनीवेल पर मुकदमा ठोक दिया है। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इस मामले में मंगलवार को अमेरिका के डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में शिकायत दर्ज की गई है। इसमें कहा गया है कि बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर फ्यूल स्विच शायद अनजाने में या अज्ञात वजहों बंद हो गया, जिससे इंजन में फ्यूल सप्लाई रुक गई और टेकऑफ के लिए इंजन को जितनी शक्ति चाहिए, वह नहीं मिल सकी। बोइंग के लिए यह स्विच हनीवेल बनाती है। मुकदमे में कहा गया है कि इन दोनों को इससे जुड़े जोखिम के बारे में पता था, खासकर अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने भी पहले बोइंग के कई विमानों में लॉकिंग मेकेनिज्म को लेकर चेतावनी भी दी थी, लेकिन फिर भी इसपर ध्यान नहीं दिया गया। शिकायत में कहा गया है कि फ्यूल स्विच को सीधे थर्स्ट लीवर के पीछे रखकर बोइंग ने इस बात की गारंटी दे दी कि सामान्य कॉकपिट गतिविधियों में भी अनजाने में कॉटऑफ हो सकता है। हनीवेल और बोइंग ने इस अपरिहार्य आपदा को रोकने के लिए क्या किया, कुछ नहीं। रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को बोइंग ने इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। इसी तरह से हनीवेल भी इसपर तत्काल टिप्पणी के लिए तैयार नहीं हुई। इस हादसे को लेकर अमेरिका में यह पहला मुकदमा है। पीड़ित परिवार ने इस मामले में हादसाग्रस्त विमान के 229 यात्रियों में शामिल कांताबेन धीरूभाई पघादल,नाव्या चिराग पघादल, कुबेरभाई पटेल और बाबीबेन पटेल के लिए क्षतिपूर्ति की मांग की है। इस हादसे में विमान के 12 क्रू समेत उस मेडिकल कॉलेज परिसर में मौजूद 19 लोगों की भी जान चली गई थी। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि याचिकाकर्ता भारत या यूके के नागरिक हैं और इन्हीं दोनों देशों में से एक में रहते हैं। अभी तक इस हादसे की जांच में इसकी पुख्ता वजह तय नहीं हो पायी है। अहमदाबाद विमान हादसे की जांच भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन ब्यूरो कर रही है, जिसमें अमेरिकी और यूके की एजेंसियां भी सहयोग कर रही हैं। जुलाई में इसने जो अंतरिम रिपोर्ट दी थी, उसमें पायलटों के बीच कंफ्यूजन की ओर इशारा किया था।

किसानों की समृद्धि और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मेलिओइडोसिस के संक्रमण को लिया गंभीरता से

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धान किसानों की चिंता करते हुये टीबी जैसे लक्षणों वाले घातक रोग 'मेलिओइडोसिस' की रोकथाम के उपाय किये जाने पर गंभीर रूख अपनाया है। उन्होंने इस संबंध में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और कृषि विभाग को साथ मिलकर जांच और उपचार रोकथाम के लिए यथोचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि किसानों और आमजन का स्वास्थ्य और समृद्धि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान और वंचित वर्गों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

किसानों को करें सजग और जागरूक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य और कृषि विभाग को निर्देश दिए हैं कि संभावित और प्रभावित क्षेत्रों में इन प्रकरणों की जांच करें। इसकी रोकथाम के लिए कृषकों को सजग और जागरूक करें। यदि कोई कृषक या व्यक्ति चिन्हांकित होता है, तो उसके समुचित उपचार के प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय है कि एम्स भोपाल की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदेश में धान का रकबा बढ़ने और पानी के स्रोत अधिक होने से इस बीमारी का संक्रमण बढ़ रहा है। जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में 'मेलिओइडोसिस' से प्रभावित रोगियों की पुष्टि हुई है। विशेषत- धान के खेतों की संक्रमित मिट्टी में पाए जाने वाले बैक्टीरिया से होने वाले इस रोग के संबंध में जागरूकता, समय पर पहचान और उपचार के संबंध में एम्स भोपाल द्वारा प्रशिक्षण-सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसमें प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों तथा अस्पतालों के प्रबंधकों और चिकित्सकों ने भी सहभागिता की है।

'मेलिओइडोसिस' बीमारी के लक्षण

'मेलियोइडोसिस' एक संक्रामक बीमारी है जो 'बर्कहोल्डरिया स्यूडोमैली' नामक बैक्टीरिया से होती है। यह बैक्टीरिया आम तौर पर मिट्टी और पानी में पाया जाता है । बीमारी के प्रमुख लक्षण लंबे समय तक बुखार रहना या बार-बार बुखार आना, लगातार खांसी होना, जो टीबी जैसी हो सकती है। सांस लेने या सामान्य गतिविधि के दौरान सीने में दर्द होना और टीवी समझकर शुरू किए गए इलाज के बावजूद लक्षण में सुधार न होना है। इस बीमारी का सबसे अधिक खतरा खेती-किसानी से जुड़े लोगों को हो सकता है, क्योंकि उनका सीधा संपर्क मिट्टी और पानी से होता है। डायबिटीज (मधुमेह) के मरीज और अधिक शराब का सेवन करने वालों को भी यह बीमारी हो सकती है। इस बीमारी की तत्काल जाँच के साथ उपचार एवं सावधानी रखकर बचाव किया जा सकता है।

स्वदेशी अपना कर मध्यप्रदेश को समृद्ध और देश को आत्मनिर्भर बनाकर बनें देशभक्त : सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'स्वदेशी अपनाओ-मध्यप्रदेश समृद्ध बनाओ, स्वदेशी अपनाओ-देश को आत्मनिर्भर बनाओ' के संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि हमें गांव-गावं, शहर-शहर स्वदेशी का अभियान चलाना है। प्रदेशवासी स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों पर गर्व करें और गर्व से कहें कि हम स्वदेशी हैं। प्रदेश के छोटे दुकानदार, व्यापारी स्वदेशी वस्तुओं के क्रय-विक्रय को प्रोत्साहन दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास से गुरूवार को जारी अपने संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से यह विचार साझा किये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे स्तर पर वस्तुओं के निर्माता अपने ढंग से अपनी क्षमता, योग्यता और कौशल के आधार पर स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन में अपनी मेहनत लगाते हैं। इससे हमारी हजारों सालों से चली आ रही आत्मनिर्भरता की परम्परा भी जीवित रहती है। स्वदेशी वस्तुओं की सुंगध और प्रभाव ही अलग है, यह सामग्री कई लोगों को रोजगार का अवसर देकर गरीब परिवारों के जीवनयापन का माध्यम बनती है और देश की आर्थिक समृद्धि का मार्ग भी स्वदेशी से ही प्रशस्त होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अपनाने के आहवान का सभी प्रदेशवासी अनुसरण करें। त्यौहारों के समय होने वाली खरीददारी में भी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाया जाए।

भारत को विश्व में सबसे शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित करने की सामर्थ्य स्वदेशी में ही है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी ने स्वदेशी के माध्यम से ही पूरे देश को एक सूत्र में पिरोया था। आज भी भारत को विश्व में सबसे शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित करने की सामर्थ्य स्वदेशी में ही है। इसी आधार पर प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं स्वदेशी के अभियान समर्पित हैं। 'स्वदेशी अपनाओ देशभक्त कहलाओ' के भाव के साथ पूरा प्रदेश इस अभियान के साथ है।

पीएम और सीएम के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ रहा है घुमंतू समाज : गौर

घुमंतू समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने की कई घोषणाएं

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में घुमंतू समाज के कल्याण और उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं जिससे इस समुदाय के लिए आने वाला भविष्य और ज्यादा उज्जवल होगा। यह बात पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने विदिशा में घुमंतू

समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में कही। उन्होंने कहा कि हमारा घुमंतू समुदाय कभी वंछित था और मुख्य धारा से जुड़ने के लिए इंतजार करता था लेकिन वर्तमान सरकार ने इस समुदाय के हित में कई अहम पहल की हैं जिससे ये समाज भी आगे बढ़ रहा है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विदिशा और गंजबासौदा में 20-20 लाख की लागत से दो सामुदायिक भवनों के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने घुमंतू समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना बनाने का भी ऐलान किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि 10वीं और 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले बच्चों को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए योजना बनाई जाएगी। उन्होंने घुमंतू समाज के लोगों के दस्तावेजीकरण के लिए विशेष शिविर लगाने की बात भी राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कही। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन यानि 25 दिसंबर से 7 जनवरी तक प्रतिवर्ष समस्या निवारण शिविर लगाकर घुमंतु समाज के लोगों के लिए दस्तावेज बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, श्री गोरेलाल बार्चे, श्री विजय दीक्षित, श्री खुमान सिंह रघुवंशी, श्री बाबूलाल बंजारा, श्रीमती सुमन लोहापीटा श्री किशोर पाठक, श्री लखन विश्वकर्मा, घुमंतु विभाग के संचालक श्री नीरज वशिष्ठ समेत बड़ी संख्या में समाज की माताएं बहनें मौजूद रहीं।

सांस्कृतिक संध्या में झलकेगी निमाड़ी लोकधुनों की छटा

मध्यप्रदेश भवन में होगा आयोजन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में शुक्रवार 19 सितंबर को सुरमयी सांस्कृतिक संध्या की चौथी प्रस्तुति में निमाड़ी लोकगायन का आयोजन किया जाएगा। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग एवं मध्यप्रदेश भवन दिल्ली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश की समृद्ध लोक परंपरा और मधुर लोक संगीत की झलक प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम में श्रीमती पूर्णिमा चतुर्वेदी एवं समूह द्वारा निमाड़ी लोकगायन की प्रस्तुति दी जाएगी। यह चौथी प्रस्तुति मध्यप्रदेश के लोकसुरों की अनूठी श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय पटल पर प्रदर्शित करना है। कार्यक्रम का समय शाम 6:30 बजे से 7:45 बजे तक निर्धारित है। लोक संगीत प्रेमी इस सांस्कृतिक संध्या में सम्मिलित होकर लोकधुनों का आनंद ले सकते हैं।

बिजली कनेक्शन लेने सरल पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन

निर्धारित समयावधि में 4 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिले नये बिजली कनेक्शन

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिये सरल और सुविधाजनक तरीके से त्वरित नवीन बिजली कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। इसके लिए उपभोक्ताओं को सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करते ही निर्धारित समयावधि में घर बैठे ही नवीन कनेक्शन उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

गौरतलब है कि कंपनी द्वारा विगत जुलाई 2023 से शुरू किये गये ऑनलाइन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से अब तक भोपाल शहर में 60 हजार से अधिक नए कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में 4 लाख से अधिक नए कनेक्शन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक प्रदान किये गए हैं। इनमें 10 किलोवॉट तक के अस्थायी कनेक्शन भी शामिल हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल पर आवेदन करते ही निर्धारित समयावधि में तत्काल नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। नये कनेक्शन लेने के लिये उपभोक्ताओं को बिजली कंपनी के पोर्टल अथवा UPAY एप पर जाकर जरूरी दस्तावेज अपलोड कर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। आवेदक द्वारा विधिवत ऑनलाइन आवेदन और भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत बिजली कंपनी द्वारा सर्वे एवं अन्य औपचारिकताएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर उपभोक्ता के परिसर में नया कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

मकान निर्माण कार्य के दौरान हादसा, एक हाथ काटना पड़ा तब भी नहीं बची जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ललिता नगर कोलार में मकान में निर्माण कार्य कर रहे मजदूर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। हादसा चार दिन पहले हुआ था, इलाज के दौरान आज सुबह उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने जान बचाने के लिए उसका हाथ काट दिया था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। मामले में कोलार पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक अमर गिन्नारे (42) पुत्र सीताराम गिन्नारे मजदूरी करता था। ललिता नगर में सतीष सोनी नाम के ठेकेदार के पास निर्माणाधीन इमारत में चार दिन पहले काम कर रहा था। उसके भाई विशाल ने बताया कि साइट के बेहद करीब हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। जिसकी चपेट में आने से भाई गंभीर रूप से झुलस गया। हादसा होते ही ठेकेदार मौके से फरार हो गया।

सरकारी जमीन पर कब्जा-36 लोगों की पेशी, जवाब पेश करेंगे

भोपाल के अनंतपुरा कोकता का मामला, कलेक्टर को दिखाई रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अनंतपुरा कोकता में पशुपालन विभाग की बेशकीमती जमीन पर कब्जे के मामले में गुरुवार को जवाब पेश होने की संभावना दिख रही थी। गोविंदपुरा तहसीलदार सौरभ वर्मा ने कुल 36 लोगों को नोटिस दिए थे। जिन्हें जवाब देने होंगे। यदि प्रशासन जवाब से संतुष्ट नहीं होता है तो कब्जे को हटाने की कार्रवाई होगी। सबसे पहले कॉमर्शियल प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलेगा।

इससे पहले बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी मामले की पूरी जानकारी और रिपोर्ट दिखाई गई। बता दें कि डायमंड सिटी के 20 मकान भी जद में है। इसके अलावा खेती कार्य के लिए कब्जा करने पर 8, कॉलोनी के पहुंच मार्ग के लिए 4 नोटिस दिए हैं। इसके अलावा बीपीएस स्कूल, द ग्रीन स्केप मेंशन शादी हॉल/रिसोर्ट समेत एक हॉस्टल और एक दुकान संचालक को भी नोटिस दिए थे।

पहले ही अपना पक्ष रख चुके लोग, कहा- कोई लेना नहीं- गस्त में सीमांकन के दौरान निशान और जमीन पर खूटियां लगाई गई थीं। इससे स्पष्ट हो गया था कि प्रशासन किन लोगों को नोटिस देगा। इसलिए लोग एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव को अपनी पीड़ा सुना चुके हैं। वहीं, कई लोग पहले से ही अपना पक्ष बता चुके थे। इस मामले में लोगों का कहना है कि जमीन सिद्धार्थ सिन्हा से खरीदी थी। जब इस जमीन के बारे में जानकारी जुटाई गई तो यह सही बताई गई थी।

इसके बाद हमने एसडीएम ऑफिस से नामांतरण कराया। सभी अनुमति लेने के बाद ही बिल्डिंग बनाई। डायवर्जन, रजिस्ट्री, नक्शे, नामांकन कराया। सरकारी तौर पर जब बटांकन कराया तो आरआई-पटवारी आए। उन्होंने ही बताया था कि उनके हिस्से में कहीं कोई सरकारी जमीन नहीं है।

सीमांकन में इतना कब्जा मिला था- सीमांकन रिपोर्ट के अनुसार, 4 कॉलोनी के गेट, सड़क और पार्क भी कब्जे में शामिल हैं। वहीं, डायमंड सिटी कॉलोनी में 20 मकान, एक प्राइवेट स्कूल, शादी हॉल/रिसोर्ट, 1 एकड़ जमीन पर खेती, फार्म हाउस और पक्का निर्माण और 130 डेसीमल भूमि पर अवैध तरीके से खेती करना पाया गया। दुकानें, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पेट्रोल पंप नगर निगम के हैं। वहीं, बायपास का 200 फीट हिस्सा भी पशुपालन विभाग की जमीन पर ही निकला था। ऐसे में इन्हें सरकारी प्रक्रिया में कोई राहत मिल सकती है।

अब तक यह प्रक्रिया हुई

- 27 अगस्त को गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार सौरभ वर्मा की मौजूदगी में 11 पटवारी और 3 राजस्व निरीक्षकों ने सीमांकन शुरू किया था।
- तीन दिन के भीतर सीमांकन कार्य पूरा हो गया। इसके बाद रिपोर्ट एसडीएम और तहसीलदार को दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि किस रकबे में किसका और कितना कब्जा है?
- इसी बीच 2 सितंबर को डायमंड सिटी समेत आसपास रहने वाले कई लोग एसडीएम ऑफिस पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई।
- 3 सितंबर को यह रिपोर्ट एसडीएम श्रीवास्तव और तहसीलदार वर्मा ने कलेक्टर को पेश की।
- 8-9 सितंबर को चिंह्नित कब्जाधारियों को नोटिस भेजे गए।
- नोटिस में 10 दिन की मोहलत दी गई है। 18 सितंबर को आगे की पेशी है।

डायमंड सिटी में कई लोगों के कब्जे सामने आए हैं। जिन्हें नोटिस दिए गए और जवाब मांगा गया।

इसलिए किया गया था सीमांकन

34 साल बाद पशुपालन विभाग को सीमांकन के पीछे भोपाल के मछली परिवार पर हुई कार्रवाई है। ड्रग्स और रेप केस के मामले में इस परिवार के दो सदस्य जेल में बंद है, जबकि अन्य पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद 30 जुलाई और फिर 21 अगस्त को जिला प्रशासन ने दो बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 बड़े अवैध निर्माण जमींदोज कर दिए। ये सभी सरकारी जमीन पर बनाए जाना सामने आए। इस जमीन की कीमत सवा सौ करोड़ रुपए आंकी गई।

इसी बीच पशुपालन विभाग ने गोविंदपुरा एसडीएम श्रीवास्तव और तहसीलदार वर्मा को एक आवेदन दिया, जिसमें कहा गया कि उनकी जमीन पर भी कब्जा हो सकता है। इसलिए सीमांकन किया जाए। प्रशासन ने पड़ताल की तो कब्जे की बात सही निकली। इसके बाद मछली परिवार समेत 20 लोगों को नोटिस दिए गए। इन्हें भी सीमांकन के दौरान मौजूद रहने को कहा गया था। हालांकि, मछली परिवार की तरफ से वकीलों ने अपना पक्ष भी रखा। कहा कि जमीन पर उनका कब्जा नहीं है।

प्रशासन की कार्रवाई के बीच बीजेपी पार्षद के 2 लेटर से चर्चा

जिला प्रशासन की कार्रवाई के बीच वार्ड-62 से बीजेपी पार्षद और जोन-15 के अध्यक्ष राजेश चौकसे के दो लेटर भी सामने आए हैं। एक लेटर निगम कमिश्नर को लिखा गया है। जिसमें दशहरा सांस्कृतिक कल्याण समिति जंबूरी दशहरा मैदान आनंद नगर को अनुदान नहीं दिए जाने की बात कहीं गई है। वहीं, दूसरे लेटर में अनंतपुरा कोकता क्षेत्र में बनी मस्जिद के पुर्ननिर्माण की शिकायत के संबंध में है। इस बारे में पार्षद चौकसे ने कहा कि अनुदान वाले लेटर के संबंध में कहा गया कि ट्रस्ट विवाद चल रहा है। इसलिए अनुदान न दिया जाए। वहीं, मस्जिद को लेकर पहले जांच करने और मामले को गंभीरता से लेने की बात कही है।

बच्चे नहीं होने पर तलाक का नोटिस, देते थे ताने

डॉक्टर की पत्नी ने लगाई फांसी, कहा- पति की दो गर्लफ्रेंड, दूसरी शादी करना चाहते थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अयोध्या नगर में रहने वाली एमए की छात्रा ने बुधवार शाम घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। गुरुवार दोपहर को पीएम के बाद उसका शव परिजन को सौंप दिया गया। उसके कमरे से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें डॉक्टर पति, उसकी तीन बहनों, मां और देवर सहित पति की दो गर्लफ्रेंड की प्रताड़ना से तंग आकर जान देने की बात लिखी है।

महिला की संतान नहीं थी, इसी बात को लेकर पति ने उसे तलाक के लिए नोटिस दिया था, जिससे वह डिप्रेशन में चल रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, किरण मीणा (35) और डॉक्टर संजय देशवानी की शादी को 14 साल हो चुके हैं। वह सेम कॉलेज से एमए इंग्लिश लिट्रेचर की पढ़ाई कर रही थी। बुधवार शाम को 6 बजे किरण घर में अकेली थी, तभी फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घर वालों ने कॉल किया, कॉल नहीं पिक करने पर भाई चेक करने पहुंचा। जहां शव फंदे पर लटका मिला।

2 पेज के सुसाइड नोट में लिखा - मेरे आखिरी शब्द

मैं लिखना तो बहुत चाहती हूं, लेकिन पति और उसके घरवालों ने मुझे केवल सुसाइड नोट लिखने लायक छोड़ा है। मेरी मौत के जिम्मेदार मेरा पति, उसके घर वाले और उसकी दो गर्लफ्रेंड हैं। पति डॉक्टर संजय देशवाली, उसका भाई दुर्गा प्रसाद देशवाली, मां कल्लो बाई, बहनें मथुरा, लता, ममता और निजी बैंक में काम करने वाली उसकी गर्लफ्रेंड और उसकी कजिन यह सब मेरी मौत के जिम्मेदार हैं। पति की फैमिली बच्चे नहीं होने को लेकर मुझे टॉर्चर करती है। ये लोग पति की दूसरी शादी कराने पर तुले हैं। संजय मुझसे बात भी नहीं करते और तलाक चाहते हैं। अब मैं और इंसल्ट बर्दाश्त नहीं कर सकती, इसलिए यह कदम उठाने जा रही हूं। मेरी हिंदी राइटिंग अच्छी नहीं है, सॉरी मेरी लाश और मेरा सारा सामान और इस फ्लैट की चाबी मेरे मम्मी पापा को दे देना। मेरे मरने के बाद मेरी हर चीज पर मम्मी और पापा का हक होगा। लव यू मम्मी पापा। सब अपना ख्याल रखना। मैं एक बहुत बुरी बेटी हूं...सॉरी। मेरा अंतिम संस्कार सिर्फ अपनी बेटी के रूप में करना, मेरे ही पैसा का इस्तेमाल कर अंतिम संस्कार करना।

कर्ज के बदले बेटा गिरवी रखा, 6 साल बंधक रहा, 60 हजार बकाया थे

सीडब्ल्यूसी ने छुड़ाया, अब माता-पिता के पास बेटा होने का सबूत नहीं

बैतूल (नप्र)। 6 साल कैद में रहकर मजदूरी करता रहा 13 साल का मासूम गोविंद किसी तरह आजाद हो गया, लेकिन एक कागज की कमी ने उसे अब भी परिवार से दूर कर रखा है। परिवार के पास बच्चे के पहचान के नाम पर कुछ नहीं है। न आधार, न राशन कार्ड, न ऐसा कोई दस्तोवज, जिससे यह साबित कर सके कि वह उनका ही बेटा है।

बाल कल्याण समिति ने दस्तावेज नहीं होने की वजह से बच्चे को छिंदवाड़ा बालगृह भेज दिया है। मामले में चाइल्ड लेबर एक्ट की धारा 3, 14 और जेजे एक्ट की धारा 75, 79 के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। जिला प्रशासन सोशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट तैयार कर रहा है। उधर मां, बच्चे को पाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रही है।

गोविंद 2019 में जब आठ साल का था, तब माता-पिता ने मजबूरी में एक ठेकेदार से 50 हजार एडवांस लिए और मजदूरी करने हरदा के झिरीखेड़ा पहुंच गए। वे कर्ज नहीं चुका पाए तो गोविंद को ठेकेदार के पास ही छोड़ना पड़ा। 12 सितंबर 2025 को जन साहस संस्था और प्रशासन की टीम ने उसे ठेकेदार के चंगुल से छुड़ा लिया।

मां का दर्द और बच्चे की अधूरी रिहाई...- सरिता की आंखों में आज भी वो दर्द दिखता है, जब उसने 2019 में ठेकेदार रूपेश शर्मा से 50 हजार का कर्ज लिया था। मजदूरी करके चुकाने की बात हुई थी। दो

साल तक हरदा के एक गांव में पूरे परिवार ने मेहनत कर जमीन सींची। जब घर लौटने की आस जगी, तो ठेकेदार ने 60 हजार रुपए ब्याज के और जोड़ दिए।

19 अगस्त 2021 को सरिता ने घर जाने की बात की, तो रूपेश ने कहा- बच्चा यहीं छोड़ना होगा। मिन्नतें कीं, गिड़गिड़ाई, पर वो नहीं माना। उसने कहा कि रुपए चुकाकर कभी भी ले जाना, बच्चा मेरे घर पर सुरक्षित रहेगा। सरिता ने बताया कि उसके पास इतने पैसे नहीं थे। सोचा, कहीं और जाकर काम करेंगे और अपने गोविंद को वापस ले जाएंगे। अपने बेटे को वहीं छोड़ दिया। खबरें आती रहीं कि ठेकेदार गोविंद से मवेशी चरवाता है। खेत और घर के काम करवाता है। कई बार रूपेश से मिली, गुहार लगाई, पर वो नहीं माना।

गोविंद को छिंदवाड़ा के बालगृह भेज दिया- सरिता कहती है, बेटे को छोड़कर आना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द था। जन साहस संस्था ने पुलिस और श्रम विभाग के साथ मिलकर 12 सितंबर को गोविंद को छुड़वाया। सरिता ने बताया कि उसे उम्मीद जगी थी कि अब उसका गोविंद उसके पास लौटेगा, लेकिन बाल कल्याण समिति ने दस्तावेज नहीं होने पर गोविंद को छिंदवाड़ा बालगृह भेजने का आदेश दे दिया। अब गोविंद को पाने के लिए हम यहां-वहां भटक रहे हैं। पहले ठेकेदार ने लूटा, अब किस्मत रुला रही है।

संपादकीय

पाक-सऊदी करार के मायने?

पाकिस्तान द्वारा सऊदी अरब के साथ हाल में किया गया रणनीतिक रक्षा समझौता चौंकाने वाला जरूर है, लेकिन यह कितना व्यावहारिक होगा, इस पर कई सवाल हैं। भारत ने इस पारस्परिक समझौते पर सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि 'हमें इसकी जानकारी पहले से थी।' उधर सऊदी अरब ने कहा है कि यह समझौता केवल दोनों देशों के बीच लंबी चर्चा का परिणाम है। इसे किसी देश के खिलाफ प्रतिक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बावजूद इसके भारत को सतर्क रहने और इस समझौते को पाकिस्तान की बाहरी खतरों से सुरक्षा से ज्यादा आंतरिक राजनीति के संदर्भ में देखने की जरूरत है। विगत बुधवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का नाम 'स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफ़ेंस एग्रीमेंट' है। समझौते के तहत दोनों देशों में से किसी भी देश पर हमला होता है, तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। इसके पहले सऊदी अरब में पाक पीएम शहबाज शरीफ का भव्य स्वागत किया गया। इसमें भी कुछ संकेत छिपे हैं। बताया जाता है कि दोनों नेताओं की मुलाक़ात के दौरान देशों के रिश्तों को और मज़बूत बनाने पर चर्चा हुई। इस दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर भी मौजूद रहे पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इसहाक़ डार ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा, दोनों देशों के बीच लगभग 80 साल पुराने रिश्ते हैं, जो भाईचारे, इस्लामी एकजुटता और रणनीतिक सहयोग पर आधारित हैं। समझौते का मक़सद रक्षा सहयोग को बढ़ाना और क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस समझौते पर अपनी प्रतिक्रिया में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्हें पहले से इस समझौते के बारे में पता था। भारत सरकार देश की हर क्षेत्र में सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मीडिया द्वारा पाकिस्तान-सऊदी अरब के रक्षा समझौते को लेकर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रणनीतिक रक्षा समझौते की रिपोर्ट्स देखी हैं। जब इस समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी, सरकार को तभी से ही इसके बारे में जानकारी थी। हम इस समझौते के हमारी सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। सरकार भारत के राष्ट्रीय हितों की सभी क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर समर्पित हैं। वैसे कूटनीतिक हल्कों में इस समझौते को 'नाटो' जैसा समझौता माना जा रहा है। समझौते के तहत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का भी प्रावधान है। हाल ही में इजराइल के कतर पर हमले के बाद कतर की राजधानी दोहा में मुस्लिम देशों की बैठक हुई थी, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल हुआ। इस बैठक में पाकिस्तान ने नाटो जैसा संगठन बनाने का सुझाव दिया था। हकीकत तो यह है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और 'ऑपरेशन सिंदूर' से घबराए पाकिस्तान ने अब दूसरों के सामने अपनी सुरक्षा के लिए मदद की भीख मांगना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान मानता है कि उसे सबसे ज्यादा खतरा भारत से है और अगर भारत ने कार्रवाई की तो बकौल पाकिस्तान जवाबी सैन्य कार्रवाई में उसकी मदद करेगा। लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा? क्या सऊदी अरब की सैनिक ताकत इतनी है कि वह भारत का मुकाबला कर सके? क्या सऊदी अरब भारत के साथ अपने गहरे कूटनीतिक और आर्थिक रिश्तों की बलि देकर भारत के खिलाफ लड़ाई में सीधे उतरेगा? क्या दोनों देशों के इस समझौते को अमेरिका का समर्थन है? ये ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब मिलने अभी बाकी हैं। हालांकि पाक के उत्साह पर सऊदी अरब ने अभी से पानी फेर दिया है।

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

'नेपाल की पहली महिला-सरकार प्रमुख सुशीला कार्की'

नेपाल की पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री और पूर्व न्यायविद् श्रीमती सुशीला कार्की को लेकर विरोध के स्वर अब ठंडे पड़ते जा रहे हैं और उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ नई कमान संभाल ली है। पहले उन्होंने अपना समुचित मंत्रीमंडल बनाया और गुरूवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात साफ संकेत दे दिया कि वो नेपाल और भारत के सदियों पुराने सांस्कृतिक सामाजिक सम्बन्धों की पूरी तरह रखवाली करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी नेपाल में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया और नेपाल में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के लिए भारत का अटल समर्थन दोहराया। मोदी ने नेपाल में पिछले दिनों हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के कार्की के प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही उन्हें और नेपाल की जनता को उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। 19 सितंबर नेपाल का राष्ट्रीय दिवस होता है।

यकीनन भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और युवा आक्रोश, जिसने भयावह हिंसा का रूप ले लिया , पर काबू पाने तथा देश में जनोन्मखी सरकार की स्थापना जैसी कई बड़ी चुनौतियां सुशीला कार्की के समक्ष हैं। हालांकि उन्होंने पहले ही साफ कर दिया है कि वो केवल देश की अंतरिम प्रधानमंत्री हैं, नेपाल का सत्ताधीश बनने का उनका कोई इरादा नहीं है। यही कारण है कि पद की शपथ लेने के कुछ समय बाद ही उन्होंने देश में अगले साल 5 मार्च 2026 को आम चुनाव की घोषणा कर दी। अगर इस घटनाक्रम की तुलना बांग्लादेश के सत्ता परिवर्तन से करें तो वहां के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार अभी भी चुनाव की निश्चित तारीख नहीं बता रहे हैं।

वास्तव में नेपाल के राजनीतिक क्षितिज पर सुशीला कार्की का उदय अप्रत्याशित घटना ही है। नेपाल के बहुदलीय लोकतंत्र बनने के बाद वहां राजनीतिक स्थिरता कभी नहीं रही। परिणाम स्वरूप आज नेपाल सुशासन की जगह भयंकर भ्रष्टाचार से बेजार है और यही मुख्य वजह है कि नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुश्री सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री मनोनीत हुई हैं। कैसा अदभुत संयोग है कि पहली महिला मुख्य न्यायाधीश और फिर अप्रत्याशित और हिंसक घटनाक्रम के बाद पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का विरल श्रेय उनके खाते में दर्ज हुआ। उन्होंने यह पद ऐसी कठिन वेला में ग्रहण किया है, जब नेपाल चौराहे पर दिग्भ्रमित खड़ा है और जेनरेशन जेड के शानदार पहल के रूप में शुरू आंदोलन के बोगदे से बमुश्किल बाहर आया है, जिसने अराजक और वीभत्स रूप ले लिया था।

जेन Z प्रदर्शनों का तांडव और सुशीला कार्की का उदय: नेपाल में सितंबर की शुरुआत भयावह हिंसा से हुई, जब 'जेन जेड' आंदोलन ने भ्रष्टाचार, सोशल मीडिया प्रतिबंध और सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर देशव्यापी हंगामा मचा दिया। 8 सितंबर से शुरू हुए इन प्रदर्शनों में पुलिस कार्रवाई के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें कम से कम 72 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हुए। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, सरकारी कार्यालयों और

राजनेताओं के घरों पर हमला कर आगजनी की, जिससे काठमांडू सहित कई शहरों में अराजकता फैल गई।

इस संकट के बीच पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने 10 सितंबर को इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संवैधानिक प्रावधानों के तहत 12 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। 73 वर्षीय सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं, जिन्हें डिस्कॉर्ड प्लेटफॉर्म पर युवा प्रदर्शनकारियों के अनौपचारिक मतदान से चुना गया। उनकी भ्रष्टाचार-विरोधी छवि और न्यायिक अखंडता ने उन्हें जनता का चहेता बना दिया।

कार्की सरकार का कार्यकाल मार्च 2026 तक सीमित है, जब नए संसदीय चुनाव होने हैं। उन्होंने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया और मृतकों के परिवारों को 10 लाख नेपाली रुपये मुआवजे की घोषणा की। अंतरिम सरकार का मुख्य लक्ष्य भ्रष्टाचार उन्मूलन, शासन सुधार और आर्थिक समानता सुनिश्चित करना है।

भारत का समर्थन: शोक और सहयोग का संदेश: इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत नेपाल की स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। हम दोनों देशों के कल्याण के लिए निकट सहयोग जारी रखेंगे।' प्रधानमंत्री मोदी ने 13 सितंबर को ही सोशल मीडिया पर कार्की को बधाई दी थी, जिसमें उन्होंने नेपाल की शांति एवं समृद्धि के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई थी।

सुश्री कार्की का जन्म 7 जून 1952 को नेपाल की औद्योगिक राजधानी विराटनगर में हुआ। दिलचस्प तौर पर विराट नगर प्रधानमंत्रियों की नगरी है। विराटनगर लोकतांत्रिक आंदोलन की जन्मस्थली भी है। बीपी कोइराला, मातृका प्रसाद कोइराला, गिरिजाप्रसाद कोइराला, मनमोहन अधिकारी, सूर्यबहादुर थापा और नागेन्द्र रिजाल के पश्चात कार्की विराटनगर की सातवीं शख्सियत हैं, जिसने इस पद को सुशोभित किया है। स्थानीय महेन्द्र मोरंग मल्टीपल कैंपस से स्नातक उपरांत उन्होंने भारत में स्थित काशी हिन्दु विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की और लौटकर त्रिभुवन विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री ली। एक सफल वकील के रूप में लंबा वक्त बिताने के बाद वह सन 2016-17 में मुख्य न्यायाधीश रहीं। अपने ग्यारह माह के कार्यकाल में उन्होंने अनेक ऐतिहासिक फैसले सुनाये और सुर्खियों में रहीं। इसके फलस्वरूप उनकी छवि एक निडर और दबंग महिला की बनी, जिसके लिये लोकहित सर्वोपरि है, उनके अनेक फैसले चर्चित रहे। उन्होंने तत्कालीन सीआईएए प्रमुख लोकमान सिंह कार्की को पद से हटाने का फैसला सुनाया और तब के सूचना एवं संचार मंत्री जेपी गुप्ता को भ्रष्टाचार में लिप्तता से जेल भेजन का निर्णय सुनाया। इसी क्रम में उन्होंने रौतहट के नेपाली कांग्रेस के रसूखदार और ताकतवर मंत्री मोहम्मद आलम पर जांच बिठाकर उसे जेल भेजा।

यह अकारण नहीं है कि सुश्री कार्की ही नहीं, वरन उनके 'श्रीमानजी' यानि पति महोदय सुर्खियों और चर्चा में रहे हैं। उनके पति दुर्गाप्रसाद सुबेदी अपने साहसिक प्रेम-प्रसंग के लिये भी जाने जाते हैं। सुश्री कार्की ने सन 1975 में बीएचयू से एमए किया। दुर्गाप्रसाद तब नेपाली कांग्रेस के जोशीले युवा नेता थे और ट्यूशन पढ़ाकर गुजारा करते थे। बीएचयू के परिसर में सुशीला और दुर्गा की भेंट हुई। सुशीला को दुर्गा का आदर्श और ईमानदारी तथा दुर्गा को सुशीला की सादगी और निर्भीकता भा गयी। प्रेम का अंकुर फूटा और परवान चढ़ा। दुर्गा का बाहुन (ब्राह्मण) और सुशीला का राजपूत होना अंतर्जातीय प्रसंग में बाधक न बन सका। दोनों विवाह-सूत्र में बंध गये।

बहुत कम लोगों को ज्ञात होगा कि दुर्गाप्रसाद विमान-अपहरण कांड में भी शरीक रहे। यह भूलीबिसरी जानकारी मिली बरसों काठमांडू में सक्रिय रहे वरिष्ठ पत्रकार पुष्परंजन से। 10 जून, 1973 को विराटनगर से काठमांडू जो रहे रायल नेपाल एयरलाइंस के विमान अपहरण में दुर्गा नागेंद्र घुंगेल और बसंत भट्टराई शामिल थे। विमान में 30 लाख रूपयों की नगदी लदी थी। अपहृत विमान को बिहार में फारबिसगंज में बलात उतारा गया। इस षडयंत्र के बाद में प्रधानमंत्री मिस्टर क्लीन और बीतरागी सुशील कोइराला भी शामिल थे। नगदी सड़क मार्ग से दार्जिलिंग पहुंचाई गई। जल्द ही दुर्गा व अन्य पकड़े गये। इमर्जेन्सी में वे रिहा हुये। उन्होंने इस रोमांचक प्रसंग पर एक किताब लिखी। सन 2018 में प्रकाशित नेपाली भाषा की इस किताब का शीर्षक है - 'विमान विद्रोह।'

कई चुनौतियां- सुशीला कार्की पीएम तो बन गयी हैं, परंतु उनकी राह आसान नहीं है। राष्ट्रपति पौडेल ने संसद को भंगकर एक छमाही में चुनाव की बात कही है। शीतल निवास में शपथ ग्रहण के मौके पर पौडेल ने कहा -बधाई हो। शुभकामनाएं। आप सफल हों। देश सफल हो।- समारोह में कोई भी पूर्व प्रधानमंत्री मौजूद नहीं था। नेपाली काग्रेस और वामदलों ने संसद भंग करने पर ऐतराज किया। नेपाल में जनमानस आहत व क्षुब्ध है। राजतंत्र एक दशक पहले विदा हो चुका है। कार्की पर सेक्युलर और संघीय गणतांत्रिक व्यवस्था को अक्षुण्ण रखने का दायित्व है और जनगण की आकांक्षाओं की पूर्ति का। राजनय में भी उन्हें संतुलन बरतना होगा। काशी की स्मृतियों में डूबी कार्की मोदी की प्रशंसक हैं। नेपाल को 'खरानीबाट' यानि राख के ढेर से उठना है। यह दायित्व 'तलवार की धार पर धावनो' सरीखा है।

विश्व राजनीति

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

यूएन में ऐनालेना की समावेशन की अवधारणा

संयुक्त राष्ट्र की 80वीं महासभा में नए अध्यक्ष के रूप में ऐनालेना बेयरबॉक की उपस्थिति दर्ज़ हो चुकी है। वह बिलकुल युवा अध्यक्ष हैं। मात्र 44 वर्ष की हैं। विश्व में बतौर जर्मन विदेश मंत्री उन्होंने अपने होने का एहसास पहले ही करवा दिया है। संयुक्त राष्ट्र में वह अब 80वें महासभा की अध्यक्षता करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की ऑफिस को संभाल चुकी हैं। यूएन महासभा के 79वें सत्र के लिए अध्यक्ष फ़िलेमॉन यैंग ने, 80वीं सत्र की प्रमुख ऐनालेना बेयरबॉक को पारम्परिक हथौड़ा सौंप दिया है। इस हथौड़े के आदान-प्रदान से ही नया अध्यक्ष अपना कर शुरू करता है। 80 वर्ष से पहले संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक केवल चार महिलाओं ने यूएन महासभा अध्यक्ष का पदभार सम्भाला है। इस महासभा में 193 सदस्य देशों के प्रतिनिधि विश्व के समक्ष मौजूद अहम मुद्दों पर चर्चा करते हैं। सबसे अहम् बात यह है कि इस महासभा की महिला अध्यक्षों में भारत की विजयालक्ष्मी पण्डित का नाम भी सम्मिलित है। इस पर सम्पूर्ण भारत को गर्व है कि महासभा की प्रथम महिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी पंडित ही थीं। 1953 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने, भारत की प्रखर राजनैतिक हस्ती विजयलक्ष्मी पंडित को, यूएन महासभा के आठवें सत्र की अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया था, जो इस भूमिका के लिए चुनी गईं पहली महिला थीं। सबसे अहम् बात यह है कि 8वीं अध्यक्ष विजयलक्ष्मी जी थीं और 80वीं सत्र की अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक। मारिया फ़र्नांडा एस्पिनोसा जो कि इसके पहले महासभा की 2018-2019 में अध्यक्ष रह चुकी हैं, उनका मानना है कि यूएन को फिर से गढ़ने में, महिलाओं के नेतृत्व की अहम भूमिका सुनिश्चित होने जा रही है।

आधी आबादी को इस प्रकार का वैश्विक नेतृत्व निश्चय ही मातृशक्ति के नेतृत्व की गाथा है। ऐनालेना बेयरबॉक का अपना अनुभव संयुक्त राष्ट्र के 80वें सत्र में जिस प्रकार दिखे, लेकिन उनके शुरूआती शब्द पूरे विश्व में सरहना पा रहे हैं। इसमें समावेशन की उनकी अवधारणा की खूब तारीफ हो रही है। विश्व में चल रहे विभिन्न प्रकार के आपसी संकट के दौर में समावेशी संस्कृति पर बात करने के लिए कोई तैयार ही नहीं है। ऐसे समय में ऐनालेना बेयरबॉक कह रही हैं कि हम समावेशन की अवधारणा के साथ संयुक्त राष्ट्र के 80वें सत्र में कार्य करने के लिए तैयार हैं। एस्पिनोसा महासभा को अन्तरराष्ट्रीय क़ानून की प्रयोगशाला मानती हैं। और उनका विश्वास है कि अध्यक्ष पद के लिए कड़ी मेहनत, अच्छी कूटनीति और निष्पक्ष वार्ता करने की क्षमता आवश्यक है। ऐनालेना बेयरबॉक में अगले अध्यक्ष के रूप में शानदार प्रदर्शन के लिए सभी आवश्यक गुण हैं। वो इस पद को ऐसे समय में सम्भालेंगी जब संस्था में संरचनात्मक बदलाव और आंशिक रूप से वित्तीय चुनौतियाँ एक साथ मौजूद हैं।

वास्तव में, संयुक्त राष्ट्र महासभा की अपनी विशेषता है। उसकी अपनी चुनौतियाँ हैं। उसके अपने कार्य करने के तरीके हैं। एस्पिनोसा यह मानती हैं कि एनालेना बेयरबॉक यूएन80 प्रक्रिया के तहत सुधार

लागू करने और 2024 में अपनाए गए भविष्य का सहमति पत्र से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने में केन्द्रीय भूमिका निभाएंगी। सच है कि एनालेना बेयरबॉक के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की नियुक्ति होनी है। संयुक्त राष्ट्र का यह 80वां सत्र है। इसे ऐतिहासिक बनाने की भी पुरजोर कोशिश होगी। इसके लिए भी प्रयास करना होगा। युद्ध, निर्धनता, जलवायु परिवर्तन समेत अन्य वैश्विक संकटों से निपटने के लिए आपसी एकजुटता व एक सोच के लिए कार्य करना होगा। एसडीजी-2030 लक्ष्य को हासिल भी करना है। भविष्य के लिए सहमति पत्र को भी मजबूती प्रदान करनी है और सबकी एकजुटता के लिए कोशिश करनी है। ये सब ऐसे मामले हैं जो एनालेना के लिए कठिन हो सकते हैं लेकिन नामुमकिन नहीं हैं। उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जिससे वैश्विक शांति व स्थिरता आएगी, इसके लिए फिलहाल मैडम एनालेना बिलकुल तैयार हैं। यदि तैयार न होतीं तो वह वैश्विक वैचारिक समावेशन की बात न कर पातीं।

एनालेना ने स्वीकार भी कर लिया है कि संयुक्त राष्ट्र ही ऐसा मंच है जहाँ सबके प्रसन्नता के लिए कार्य किए जा सकते हैं। इसलिए उन्होंने यह कहा भी कि हमारी दुनिया पीड़ा में है।...लेकिन कल्पना कीजिए, संयुक्त राष्ट्र के बिना यह कितना अधिक पीड़ादायी होती? उन्होंने कहा भी कि दुनिया में लाखों-करोड़ों लोग अपने दैनिक जीवन में कठोर वास्तविकताओं का सामना कर रहे हैं। ग़ाज़ा में भूख से बदहाल बच्चे हैं। अफ़ग़ानिस्तान में स्कूली शिक्षा से वंचित लड़कियाँ हैं। यूक्रेन में मिसाइल हमलों की चपेट में आए परिवार, और प्रशान्त द्वीपीय देशों में बढ़ते समुद्री जलस्तर से घिरे देश हैं। इसका अर्थ है कि दुनिया के विभिन्न समस्याओं का खाका अब एनालेना के दिमाग में पूरी तरह से अपनी जगह बना चुका है और वह इन सभी मुद्दों के साथ लड़ेंगी और किसी निष्कर्ष तक पहुँचने का प्रयास करेंगी जिससे बहुपक्षवाद को बल मिले। मानवाधिकारों का संरक्षण हो। सभी की गरिमा सुनिश्चित हो। हमारी प्लानेट सुरक्षित हो। समुद्र, पृथ्वी एवं प्रकृति के हर रंग को अपने स्वतंत्र सम्मान व खूबसूरती मिल सके, ऐसा वह प्रयास करेंगी।

इस बात के लिए पूरे विश्व में प्रसन्नता व्यक्त की जानी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुटेरेस अपने कार्यकाल के इस पड़ाव पर अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त कर एनालेना के सहयोग हेतु तत्पर हैं। जब हथौड़ा फिलमेन येंग ने एनालेना को सौंपा तो इस अवसर पर गुटेरेस ने कहा कि मैं आपके उत्तराधिकारी नवनिर्वाचित अध्यक्ष बैरबॉक के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूँ क्योंकि हम वैश्विक समस्याओं के वैश्विक समाधान की तलाश जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह सच्चाई आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी अस्सी साल पहले थी। और उतनी ही प्रभावी भी है। अभी बहुत कुछ करना बाकी है, और आगे का रास्ता अनिश्चित है। गुटेरेस के इस सहयोगपूर्ण भावना की प्रशंसा की जानी चाहिए। अपने लगभग 20 वर्ष के कार्यानुभव से गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र को अभूतपूर्व योगदान दिया है, एनालेना के कार्यकाल में वह सहयोगी रहेंगे और नए महासचिव की नियुक्ति में भी वह सहयोग करेंगे। इसलिए एनालेना का यह कार्यकाल महासभा के अध्यक्ष के रूप में कई नई उपलब्धियां अर्जित कर सकता है।

विश्व के लोग भी यदि एनालेना का सहयोग करेंगे और समावेशन की अवधारणा को समझेंगे तो पुरे प्लेनेट के लिए, मनुष्य जाति के लिए और शाश्वत शांति के लिए नए रास्ते निकल सकेंगे। सतत विकास लक्ष्य हासिल किए जा सकेंगे। पूरी मानव बिरादरी रचनात्मक कार्य कर सकेगी और जो आज हालात बने हुए हैं कुछ अनचाहे से, उनका समाधान भी ढूंढा जा सकेगा। एनालेना बेयरबॉक का नारा ही है-एक साथ बेहतर। यह श्लोगन समष्टि की बात करता है और यह समावेशन का आधार माना जा सकता है। यदि संयुक्त राष्ट्र में यह अंतःकरण से स्वीकार कर लिया जाए तो निश्चय ही पूरी दुनिया बदल जाएगी और यह बदलाव संयुक्त राष्ट्र के 80वें पड़ाव की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर देशपांडे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

तो भाई कब रिटायर हो रहे हो?

नौकरी लगी तो तय मानों, सेवानिवृत्त भी होना है। सेवानिवृत्त होना है तो, उम्र पास आते ही, लोगों के मासूम सवाल शुरू हो जाते हैं; 'क्यों भाई, कब सेवानिवृत्त हो रहे हो?' भले ही इस में उसका कुछ लाभ हो या न हो, पर सेवानिवृत्त होने वाले के लिए यह प्रश्न किसी हथोड़े से कम नहीं है। वह भी तब, जब आपसे हर कोई ही यह सवाल पूछने लगे-,'क्यों भाई! कब सेवानिवृत्त हो रहे हो?' सेवानिवृत्त होने वाले को लगने लगता है कि वह अब सचमुच बूढ़ा लगने लगा है। बूढ़ा होना बुरा नहीं है, पर किसी को बूढा कहना जरूर बुरा है। राजनीति में बूढ़े कहाँ होते हैं, वहाँ तो बासठ बरस पुराना आदमी भी युवा तुर्क कहा जाता है। जब उन्हें युवा तुर्क कहा जाता है तो मेरा मन उत्साह से भर जाता है। चलो कहीं तो गुंजाइश है जवान बने रहने की। मन राजनीति में जाने को तड़प उठता है। किंतु वहाँ भी इतनी राजनीति है कि आप इस ठेलमठेल में; जबकि आपकी कमर और घुटने धीरे-धीरे जवाब देने लगे हैं; आप सीधे खड़े भी न हो पा रहे हों आपको खड़ा भी क्यों रहने देगा? सच भी है जो ताउम्र इसी खड़े होने का अभ्यास करता रहा हो, इसके लिए कमर मोड़कर, दरियाँ बिछाने की कवायद करता रहा हो, खड़े होने के लिए बार बार आकाओं के कदमों में जानबूझकर गिरता रहा हो, वह आखिर आपको खड़ा ही क्यों होने देगा? वैसे इधर कुछ लोग राजनीति में भी उम्र को बंधन में डालने की कोशिश में है।

तो कह रहा था कि यहाँ तो जानने वाला, न जानने वाला, रिश्तेदार हो या कोई और असामी हो वही पहला सवाल दागता है- 'कब सेवानिवृत्त हो रहे हो, यार?' जब आप तारीख बताते हो तो उसके चेहरे पर एक सुकून के साथ एक खुशी तैर जाती है। एक सज्जन के लिये यह तो रोज का उद्योग हो गया है, आते जाते पूछते ही हैं, कितने दिन बचे? दस बार पूछने के बाद भी यही सवाल अलग जामा पहन कर आता है, - और कितने दिन? लगता है, मानों वे हमारे सिधारने की घड़ियां गिन रहे हैं। यदि सेवानिवृत्त व्यक्ति यह पूछ रहा होता है तो समझा जा सकता है कि कह रहा हो- आजा बेटा लाईन में। जो बेरोजगार हैं, उनके भी दिल में एक उम्मीद परवान चढ़ती है। चलो एक जगह और खाली हुई, सरकार को अब जल्दी ही नियुक्तियाँ कर देना चाहिए। पर सरकार जब रीक्तियाँ निकाले तब तो भर्ती हो। उसके अपने विभाग का व्यक्ति यह सोचकर खुश होता है कि अब वह अतिशेष की गिनती मे नहीं आएगा। बाकी लोगों जिनको किसी चीज से लेना देना नहीं, उन्हें उम्मीद यह होती है कि हम पार्टी करे और उन्हें बुलाए और बस, वे इसी में उम्मीद मे जी लेते हैं। ये लोग वे हैं, जिनके लिए निवृत्ति भोज और तेरहवें के भोज में कोई फर्क नहीं होता। अगर गलती से पार्टी न दो या न बुलाओ तो ताना देने से चूकते भी नहीं है। इसी जमात का दूसरा वाक्य सेवानिवृत्ति के बाद साधारणतः यह होता है- भले निपटे। अच्छा समय कटा आपका। आगे आने वाला समय, अब और ज्यादा कठिन है।

हमारा समय और कठिन होगा भाई। इनके सरीखा भविष्यवक्ता नहीं देखा जो पहले ही तय कर दे कि आगे आने वाला समय कैसा होगा। उन्हें कौन बताए कि हम समय काटने नहीं आए थे बल्कि अपने चिंतन को दिशा और देश की दशा बदलने आए थे। अब ये बात और है कि जितने भी घड़े मिले, उल्टे ही पड़े मिले, या पूरी तरह भरे मिले जिन पर या जिनमें कुछ भरा जाना ही संभव नहीं था। पर यह भी सच है कि कुछ परिणाम आपको लंबे समय बाद मिलते हैं और वे ठोस होते हैं।

चलिए, अब आप है कि सेवानिवृत्त हो ही गये तो जान छूटी लाखों पाए, ऐसा नहीं होता। आपका सेवानिवृत्ति समारोह चल रहा है। कुछ लोग बढ़कर बोलने के लिए आगे आएंगे। गर्दन लटका कर कुछ वाक्य जो हर सेवानिवृत्ति के अवसर पर बोले ही जाने हैं, बोलेंगे। कुछ यादें बाँटी जाएंगी। भाईसाहब की सेवानिवृत्ति हो रही है, यह हर शासकीय सेवक के जीवन की शाश्वत परिणीती है। आया है सो जाएगा। इनके जाने से कार्यालय में एक बडा शून्य पैदा होगा। मेरे साथ इनकी की यादें जुड़ी हैं।

अफसर कहेगा- मेरा दाहिना हाथ ही अट जाएगा। इन्हें जो काम दिया, इन्होंने पूरी लगन से कुशलता से पूरा किया। इस शून्य को भरना बहुत कठिन है। मैं इन पर काम को लेकर कई बार नाराज हुआ भी, सच तो यह है कि जो काम करता है, वहीं सुनता भी है। सेवानिवृत्त होने वाला भीतर ही भीतर सोच रहा है कि वह हँसे या रोये? उधर पत्नी भावुक होकर रोने को तैयार बैठी है। सच तो यह है मरने वाले और सेवानिवृत्त होने वाले की, दोनों की बुराई न करने का रिवाज है। यह संस्कार कहलाते हैं। सेवानिवृत्ति पाने वाला यह देखता है कि कल तक उसके नाम से कपड़े फाड़ने वाला अफसर, कितना झूठा व्यक्ति हैं। घर के लोग इस निवृत्ति से ज्यादा भयभीत होते हैं। कहेंगे- बूढ़े के पास काम नहीं है सो खामखां कान खाएगा। बहुएँ कहेंगी, बूढ़ा खांस खाँस कर अब एक जगह बैठना भी हराम कर देगा। इधर सेवानिवृत्ति के बाद के कुछ काम जो आपके साथ जुड़ जाते हैं, उन में घूमना, मिलना, समान धर्मा लोगों से मिलना, पोते पोतियों को खिलाना कहानियाँ, सुनाना, बगीचे में ले जाना, वहाँ, मिलने वालों से मिलना, ठहाके गुंजाना। ये हैं कि इन्ही कामों में लगे हैं, पर पूछने वालों को चैन कहाँ, वे अब पूछने लगे हैं- और सब ठीक है? आप कहते हैं- बस सेवानिवृत्त हो गया हूँ। अच्छा! कब?

बस दो दिन पहले।

वैसे आपको देखने पर लगता नहीं है कि आप की उम्र बासठ की हो गई। चाहते तो

सेवा वृद्धि हो सकती थी।

सच कहूँ ये वही लोग हैं, जो कल तक कह रहे थे- क्यों भाई! कब सेवानिवृत्त

हो रहे हो?

अंकुरण

सत्येन्द्र पाण्डेय

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

कविता सोनकिया : संवैधानिक मूल्यों को जाना, माना और अपनाया

कविता सोनकिया का जन्म मध्यप्रदेश के हरदा जिले के टिमरनी नामक एक छोटे से कस्बे में हुआ। उनका परिवार राजनीतिक रूप से हैसियत रखने वाला था और इस हैसियत ने उस सामाजिक वर्गीकरण के स्थानीय मान को भी एक हद तक बदल दिया था जो उनके समुदाय के साथ अभी तक जुड़ा हुआ है। इसलिए निजी तौर पर उन्हें जातिगत भेदभाव की वैसी कठिन स्थितियों का सामना अन्य लोगों के मुकाबले कम करना पड़ा। लेकिन एक हद तक ही। क्योंकि बचपन से युवावस्था तक आते आते उन्हें यह सामाजिक श्रेणीबद्धता समझ में आने लगी और इसके कारण उत्पन्न होने वाले भेदभाव और अत्याचार भी उनके सामने खुलने लगे। फिर लड़की होने के कारण उनकी जो अलग मुश्किलें और सीमाएं थीं, वे भी स्पष्ट होने लगीं। इन सबसे मन दु:खी होता था। तकलीफ भी होती थी लेकिन न कोई विचार था और न कोई रास्ता। यह सामान्य ही लगता था और इसका कोई विकल्प भी न हो, शायद ऐसा भी लगता था।

एक छोटे से कस्बे में रहने वाली एक युवा लड़की के सपने भी अपने परिवेश के अनुरूप ही थे। उसको अपनी चादर की सीमाएं पता थीं और उसके हिसाब से पैर फैलाने की आदत भी थी। एक मध्यमवर्गीय घरेलू जीवन का आसान रास्ता था जहां प्रतिभाएं स्कूल में शिक्षक होकर संतुष्टि हासिल करती हैं। उसने भी यही रास्ता चुन लिया था जो उसके लिए सहज उपलब्ध था, आसान था और समाज में सम्मान भी दिलाता था। लेकिन फिर अचानक जीवन बदलने लगा और इस हद तक बदला कि आज देश भर में संविधान पर काम करने वाले लोग, कलाकार और संस्थाएं उसे सम्मान की नजर से देखते हैं और लोकरंग महोत्सव में उसके बुलावे का इंतजार करते हैं। हम बात कर रहे हैं टिमरनी की कविता सोनकिया की जिन्होंने संविधान और उसके मूल्यों को सिर्फ जाना और समझा ही नहीं बल्कि अपने जीवन में उसे अपनाया भी है। यही उनकी ताकत है।

कविता सोनकिया का जन्म मध्यप्रदेश के हरदा जिले के टिमरनी नामक एक छोटे से कस्बे में हुआ। उनका परिवार राजनीतिक रूप से हैसियत रखने वाला था और इस हैसियत ने उस सामाजिक वर्गीकरण के स्थानीय मान को भी एक हद तक बदल दिया था जो उनके समुदाय के साथ अभी तक जुड़ा हुआ है। इसलिए निजी तौर पर उन्हें जातिगत भेदभाव की वैसी कठिन स्थितियों का सामना अन्य लोगों के मुकाबले कम करना पड़ा। लेकिन एक हद तक ही। क्योंकि बचपन से युवावस्था तक आते आते उन्हें यह सामाजिक श्रेणीबद्धता समझ में आने लगी और इसके कारण उत्पन्न होने वाले भेदभाव और अत्याचार भी उनके सामने खुलने लगे। फिर लड़की होने के कारण उनकी जो अलग मुश्किलें और सीमाएं थीं, वे भी स्पष्ट होने लगीं। इन सबसे मन दु:खी होता था। तकलीफ भी होती थी लेकिन न कोई विचार था और न कोई रास्ता। यह सामान्य ही लगता था और इसका कोई विकल्प भी न हो, शायद ऐसा भी लगता था। एक तरीका यह लगता था कि जिन लोगों ने अपने जीवन में कुछ हासिल कर लिया है वे इन विषमताओं से काफी हद तक निकल सके हैं। इसी रास्ते कविता ने भी चलना शुरू कर दिया।

उन्होंने वनस्पति विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की और शिक्षिका बनने का सपना साकार किया। उनके परिवार और परिवेश में यही स्वीकार्य भी था। वे पास के एक गांव में अतिथि शिक्षक नियुक्त हो गईं। लेकिन कुछ समय बाद ही समझ में आया कि यह मंजिल नहीं बल्कि रास्ते की शुरुआत है। उनका सामना ऐसे बच्चों से हुआ जिनके परिवार आर्थिक और सामाजिक विषमताओं से बुरी तरह जूझ रहे थे। अनेक बच्चे ख़ासकर लड़कियां इसलिए स्कूल नहीं आ पाती थीं क्योंकि उन्हें अपने परिवार की गुजर बसर में मदद करने के लिए खेतों या घरों में काम करना होता था। करीब ही एक और समुदाय से परिचय हुआ जो नर्मदा पर बनाए जा रहे एक बांध के कारण विस्थापित होकर रहटगांव में बसाया गया था और बच्चों के साथ भीख मांगना उनका व्यवसाय था। जाहिर है कि ये बच्चे स्कूल नहीं जाते थे।

स्कूल में रहते हुए इस समस्या पर निरन्तर काम करना संभव नहीं था और अकेले भी। इसलिए उन्होंने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर सोशल एंड एजुकेशन डेवलेपमेंट आर्गेनाइजेशन यानी शेडो संस्था की नींव डाली और इन बच्चों को शाला से जोड़ने, उसके पहले और बाद में उनको पढ़ाने का काम करने लगीं। जाहिर है नौकरी करते हुए यह संभव नहीं था इसलिए उसे छोड़कर पूरा समय इसी काम के लिए देने लगीं। धीरे-धीरे यह समझ में आया कि शिक्षा से दूर रहने के कारण इन बच्चों में शिक्षा के प्रति लगाव और उत्साह बहुत कम है। सवाल था कि वह कैसे पैदा किया जाए? इस तरह गतिविधियां, खेल और संगीत का इस्तेमाल किया गया और अनौपचारिक कक्षाओं को रुचिकर तथा मनोरंजक बनाया गया। इस काम में संस्था के ऐसे साथियों की मदद ली गई जो गीत और संगीत जानते थे और अन्य स्थानों पर उसके जौहर दिखला रहे थे। इस कारण बच्चे जुड़ने लगे और सीखने भी लगे।

इस तरह संगीत एक टूल की तरह संस्था के कामकाज में शामिल हुआ और फिर धीरे-धीरे वह मुख्य हिस्सा बन गया। संगीत के साथ मानवीय मूल्यों के प्रसार की कोशिशें शुरू हुई और स्थानीय स्तर पर ऐसे गीतों और परंपराओं को चिन्हित करने के संस्थागत प्रयास शुरू हुए जो मूल्यपरक हों और सामाजिक विषमताओं तथा कुरीतियों पर चोट करते हुए बंधुत्व और समरसता का संदेश देते हों। इस काम में संस्था के साथी रीतेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस बीच कोविड आ गया और एक तरह से दुनिया का कामकाज ठहर सा गया। कला-संगीत में दुनिया में भातिक रूप से साथ होना श्रजन के लिए जरुरी है लेकिन जरुरत ने नवाचार के लिए प्रेरित किया और मूल्यपरक संगीत का ऑनलाइन आयोजन 'ढाई आखर किशोरी' शुरू किया गया जो आशंकाओं के बावजूद बहुत सफल हुआ और अनेक युवा महिलाओं की प्रतिभा सामने आ सकी। नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया का अंकुरण कार्यक्रम एक नई चुनौती लेकिन अवसर की तरह आया और कविता के लिए नेतृत्व विकास तथा संस्थागत प्रक्रियाओं को बेहतर करने में इसका बड़ा योगदान साबित हुआ। संस्था के विज़न, मिशन और उद्देश्यों तथा कामकाज को लेकर शेडो की पूरी टीम ने एक साथ बैठकर अनेक दौर की चर्चा की तथा अपने मौजूदा कामकाज तथा स्वरुप के अनुरूप इसे परिवर्तित किया जिसका फायदा अनेक तरह से हुआ। संस्था का जुडाव अनेक देशव्यापी नेटवर्क्स के साथ हुआ, फंडिंग आधार व्यापक हुआ और सबसे बड़ी बात कि संस्था में महिला नेतृत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा।

2021 में संस्था ने लोकरंग महोत्सव की शुरुआत की जो आज देशभर में विख्यात ऐसा मंच चुका है जहाँ स्थापित कलाकारों के साथ आसपास के गाँवों के नवोदित कलाकार खासकर युवतियां और महिलाएं भी अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं और संवैधानिक मूल्यों की अभिव्यक्ति अपने तरह से करते हैं। संविधान मूल्यों और जागरूकता पर निरंतर काम करते रहने की बानगी यह है कि संविधान केन्द्रित अनेक अभियानों के थीम सांग सहित संविधान पर अनेक गीत शेडो द्वारा तैयार किये गए हैं। स्वयं कविता ने भारतीय संविधान की महिला सदस्यों पर केन्द्रित एक पुस्तकः महा महिलाएं प्रकाशित की है।

अगर मूल्यों को जीवंत देखना हो तो आज शेडों में हम पाते हैं कि पिछले चार सालों में काम की संस्कृति में समता, न्याय और विविधिता की भागीदारी कैसे दिखती हैं। आज संस्था में सबसे अधिक महिलाओं के लिए कार्यक्रम तैयार हैं टीम में महिला साथी अधिक हैं अब शेडो काफी हद तक महिला केंद्रित दिखती हैं। एक सहभागी नेतृत्व विकसित और तैयार हुआ है जो संस्था की सबसे बड़ी ताकत है। कविता की नेतृत्व शैली और सफलताओं को शेडो के अन्य साथियों जैसे शिवानी, निकिता, रीतेश, मधुर, दीपक, हिमांशु आदि के साथ मिलकर ही जाना जा सकता है।

पितृपक्ष

प्रतिभा मिश्रा

सेवानिवृत प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय

घड़ी के रूप में पिता का आशीर्वाद

कभी-कभी जीवन में अकस्मात ही कुछ ऐसे वाक़िये गुजर जाते हैं जिन पर यकीं नहीं हो पाता कि ये चमत्कार हुआ या कोई जादू था। उस सुबह-सुबह मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। मेरी काम वाली बाई ने ऊपर आकर मुझे एक दीवार घड़ी दी जो पुराने मोटे मटमैले कागज में लिपटी और सुतली से बंधी हुई थी। चूंकि कागज फटा हुआ था तो समझ में आ रहा था की दीवार घड़ी है। मैंने पूछा कि ये क्या है तो उसने नीचे की मंजिल पर इशारा करते हुए कहा कि उन्होंने दी है। नीचे की मंजिल पर श्री और श्रीमती दशोरा रहते हैं जो कभी मेरी पुत्री और दामाद थे। समय के साथ रिश्ते भी रुप बदल लेते हैं। वो घड़ी थमा कर चली गयी और मैं उसे कागज हटा कर देखने लगी कि ये क्यों भेजी मुझे पुरानी घड़ी थी और देखी हुई सी भी लग रही थी। मगर उम्र के साथ साथ स्मृति भी क्षीण हो चुकी थी। पूछ भी नहीं सकती क्योंकि बातचीत तो दूर की बात है देखना भी नहीं हो पाता था।

तभी छोटी बेटी को फोन लगा कर उनसे पूछ कर बताने को कहा। उसने बताया कि ये आपके पिताजी की घड़ी है जो करीब पंद्रह साल पहले आपको दी थी और उनके पास सुरक्षित रखी थी। आज साफ सफाई की तो पुरानी चीजों में मिली। सुनकर मैं हतप्रभ रह गयी और पुरानी स्मृतियां

ताजी हो गईं। आज पिताजी इस दुनिया में नहीं हैं। बहुत प्यार करती थी उनको जब अंतिम समय में अस्पताल में उनकी मृत्यु हुई तो मैं उनके साथ थी। भाई ने घर पर खबर की मां और भाभी को। जब उनको लेकर घर पहुंचे तो उनका कमरा भाभी ने सामान रहित कर दिया था। उस समय कुछ होश नहीं था।

तेरह दिन बीतने के बाद मैंने भाई से कहा मैं उनके लिखे लेख कुछ किताबें अपने पास रखना चाहती हूं उनकी स्मृति के रुप में तो उसने कहा कि वो तो मेरी बेटी और छोटी बहन की बेटी ले गयीं सब कुछ है नहीं मैंने कहा एक पेन ही देदो वो तो होगा जिससे वो लिखते थे तो मुझे कहा गया कि ज्यादा इमोशनल मत बनो जीते जी जो करा वो उनके साथ गया। मैं कुछ नहीं बोली चुपचाप घर लौटकर आ गयी। मगर हमेशा जब पिता की याद आती बहुत रोती कि उनकी कोई निशानी तक मेरे पास नहीं है।

श्राद्ध पक्ष चल रहा है। पिताजी को याद करती ही रहती हूं और आज अचानक ये घड़ी उनकी प्रिय घड़ी थी मेरे पास आई तो मैं फफक कर रो पड़ी।मुझे लगा जैसे कोई बहुमूल्य सम्पदा मेरे हाथ लग गयी। दुनिया को दिखाने के लिए हम मृतकों के लिए क्या क्या नहीं करते मगर जीते जी उनके साथ क्या होता है ये किसी से छुपा नहीं होता। शायद ये चमत्कार ही है कि मेरे पिता का स्मृति चिन्ह मुझे मिला और मैंने उनका मन से श्राद्ध कर दिया।

हमारे श्राद्ध में स्त्री को उसके ससुराल पक्ष के पूर्वजों का ही धूप ध्यान करते हैं ,स्त्री चाह कर भीअपने मायके लोगों को खासकर माता पिता दादा दादी कोउन्हें श्रद्धांजलि नहीं दे पाते साथ ही पति और उसके परिवार भी इस दिशा में असंवेदनशील रुख अपनाते हैं जबकि महिला उन से गाली गलोज करने वाले पूर्वजों को भी धूप ध्यान करती हे जिन्होंने कभी अपना न समझा। मेरे पिता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक ईमानदार और मेहनती शिक्षक के साथ साथ बहुत संवेदनशील इंसान थे। मैं स्वयं पर गर्व महसूस करती हूं कि मैं उनकी बेटी कहलाने का सौभाग्य प्राप्त कर सकी।

वे आज मेरे साथ नहीं हैं लेकिन उनका एहसास आज भी होता है कि दु:ख की हर घड़ी में वो मेरे पास होते हैं। घड़ी पर गिरते धाराप्रवाह बहते मेरे आंसुओं ने मेरे पिता का जल से तर्पण कर दिया था। आज महसूस हुआ कि मेरे पिताजी का आशीर्वाद मेरे साथ है इस घड़ी के रूप में जिसे स्वयं उन्होंने मुझे दी थी।

लेकिन पार्टी अभी बाकी है.....

कटाक्ष

रश्मि चौधरी

लेखक साहित्यकार हैं।

को ई काला ड्रेस निकालूं आज शनिवार है न, कई महिलाएं काला रंग पहनेंगी, पर महिलाओं की पार्टी है तो गुलाबी पहनूं क्या? ज्यादा चटक पहनूं क्या, रात की पार्टी है। मैं अपनी ही उधेड़बुन में थी।

ओह, लो कितना समय हो गया, अब तक तो मुझे पहुंचना था पार्टी हॉल में और इधर मैं तय ही नहीं कर पाई कि क्या पहनूं? मैं स्वयं ही बुदबुदाने लगी।

ये पार्टियां भी न आजकल एक मुसीबत बनती जा रही हैं लगभग रोज एक पार्टी में जा सकते हैं हम, कभी किटी पार्टी, कभी पूल पार्टी, कभी क्लब पार्टी तो स्कूल फ्रेंड्स पार्टी, कभी बर्थडे पार्टी या मैरिज एनिवर्सरी पार्टी, मॉर्निंग वॉकर ग्रुप पार्टी, इवनिंग ग्रुप पार्टी, एरोबिक्स ग्रुप पार्टी, साहित्यिक ग्रुप पार्टी...

जैसे तैसे मैं पार्टी में पहुंची। ये पार्टी थी कॉलोनी महिला ग्रुप की पार्टी, पहली नजर में लगा किसी गलत ग्रुप में आ गई हूँ पर ब्यूटी पार्लर से आई लिपि पुती पुतलियों में मैं कुछ को पहचान गई।

ओहो मिसेज शर्मा, यू आर लुकिंग सो गॉर्जियस

क्या बात है बहुत खूबसूरत लग रही हो आप

भई, आपको तो हम पहचान ही नहीं पाए

ये जूलरी ऑनलाइन ली क्या

हां, कल ही बेटा आया है अमेरिका से

बस दुबई की शॉपिंग है ये तो, गोल्ड मैं वहीं से मंगवाती हूं।

पूरी पार्टी में इसी तरह के जुमले सुनाई दे रहे थे। कोई महिला फ्रॉक पहने थी तो कोई लांग गाउन, कोई जींस टॉप तो कोई शॉर्ट्स पहनी थी। किसी के जींस मे थेगडे टाइप पैच लगे थे तो किसी की जींस जगह जगह से फटी थी, एक आध महिला कोई सलवार सूट में भी थी पर साड़ी किसी ने नहीं पहनी थी। मैंने सोचा वाकई ईश्वर ने भी कितनी चॉइस दी है हम महिलाओं को, हर बात में ऑप्शन हैं।

पार्टी में गाना बज रहा था, उई अम्मा मैं तो टूट के बिखर गई...

फोटो खींचने की ऐसी होड़ लगी कि क्या बताएं, कौन किसके साथ किसके मोबाइल में किस एंगल से फोटो ले रहा था किसी को नहीं पता था। कोई सेल्फी में ऐसा मुंह बना रहा कि मुंह में पानी पताशा अटक गया हो। अलग अलग पोज में महिलाएं अकेली, दुकेली या समूह में फोटो खिंचवा रही थी। कोई लोमड़ी जैसा मुंह बना रही थी तो कोई बिल्ली की तरह, हर मोबाइल में लगभग दो सौ ढाई सौ फोटो खिंच गए होंगे।

गाना जोरों पर था, तू खींच मेरी फोटो, तू खींच मेरी फोटो...

कॉलोनी के हॉल में आयोजित इस पार्टी की शुरुआत हुई अजीब से निरर्थक खेलों से जैसे दो सहेलियां गाल से गाल मिला कर चलेंगी। एक मिनट में कितनी बिंदियां चेहरे पर चिपका सकती हैं। एक बाल्टी में रखी गेंदों को मुंह से उठा कर दूसरी बाल्टी में डालो। फूले हुए गुब्बारों को उन पर बैठ कर फोड़ों आदि आदि। मैं तय ही नहीं कर पाई कि किस खेल में भाग लूं और फिर मैं हर खेल से भाग ली।

तभी विभिन्न व्यंजनों की सुगंध ने अपनी ओर आकर्षित किया। मैं उधर ही बढ़ चली...

मैं सोचती चल रही थी कि जंक फूड नहीं खाऊंगी, मैदा नहीं खाऊंगी, अनहेल्थी नहीं खाऊंगी। अचानक सामने स्टार्टर वाला आ गया, पर स्टार्टर तो फ्राइड है साथ में नकली टमाटर सॉस, मैंने सोचा ये नहीं खाना मुझे। आगे था फ्रूट चाट पर फ्रूट्स में इंजेक्शन आ रहे आजकल, डोसे वाले ने ग्लव्स नहीं पहने थे, पूड़ी-पापड़ का तेल सही नहीं होगा कहीं लीवर में ट्रांस फैट न जमा हो जाए, सोचा अब रोटी ही खाऊं? पर सोशल मीडिया पर सुना था गेहूं नहीं खाना चाहिए ग्लूटेन होता है उसमें तो। चाइनीज!! न बाबा न, कितने सारे सॉस डलते हैं उसमें जैसे कोई डायरेक्ट केमिकल मिला रहा हो। आखिर कुछ नहीं खाना ही तय हुआ।

फिर गाना सुनाई दिया ...अभी तो पार्टी शुरू हुई है...

आखिर, एक सहेली का साथ देते हुए एक कप कॉफी पी कर घर आ गई। रात भर चूहे पेट में कूद कूद कर नाच रहे थे जैसे गीत चल रहा हो...चार बज गए लेकिन पार्टी अभी बाकी है।

सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी में पहली बार रोबोट टीचर बच्चों को पढ़ायेगी

देवास। तकनीक के साथ तालमेल बैठाते हुए शहर में पहली बार सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी में रोबोट टीचर की नियुक्ति (स्थापना) की गई है। यह टीचर ए.आई टीचर है एवं यह 100 भाषाओं का ज्ञान रखती है व सभी विषयों का जैसे गणित भाषा, विज्ञान, भौतिकी, रसायन, सामाजिक विज्ञान आदि के सभी प्रश्नों का उत्तर देती है व छात्रों के सामान्य ज्ञान की भी परीक्षा ले सकती है एवं छात्र के ज्ञान को रिकार्ड भी कर सकती है, अर्थात् छात्रों की सभी जिज्ञासाओं का उत्तर दे सकती है। शहर में व प्रदेश में पहली बार इस तकनीक का उपयोग किया गया है जिससे छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं में हर्ष व्याप्त है।

संभागायुक्त आशीष सिंह और आईजी उमेश जोगा ने टेकरी का निरीक्षण कर माताजी की पूजा अर्चना की

देवास। शारदीय नवरात्र पर्व 22 सितंबर से मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व पर देवास में माताजी की टेकरी पर की जा रही आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारियों को लेकर संभागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिंह और आईजी श्री उमेश जोगा ने गुरुवार को माताजी की टेकरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने माताजी की टेकरी पर मां तुलजा भवानी एवं मां चामुंडा के दर्शन कर पूजा अर्चना की और टेकरी

पर की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और आईजी श्री उमेश जोगा अधिकारियों को निर्देश दिये कि नवरात्रि पर्व के दौरान माताजी की टेकरी पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने पार्किंग, श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा होने पर प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को माताजी के दर्शन सुगमता से हो इस बात का ध्यान रखा जाएं। श्रद्धालुओं की भीड़ एक साथ न हो इसके लिए श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए चलायमान तरीके से दर्शन कराये। दर्शनार्थियों को एक जगह ज्यादा देर खडे न रहने दें।

इस दौरान श्री कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गहलोद, नगर निगम कमिश्नर श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, एएसपी श्री जयवीर सिंह भदौरिया, एसडीएम श्री आनंद मालवीय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम जोन ने ली अपराध समीक्षा बैठक

स्मार्ट पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण के लिए दिए सख्त निर्देश

बैतूल। पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम जोन मिथिलेश कुमार शुक्ला द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम बैतूल में जिले की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपमहानिरीक्षक नर्मदापुरम रेंज प्रशांत खरे, पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक के बैतूल आगमन पर सलामी गार्ड द्वारा उत्कृष्ट टर्नआउट के साथ सलामी दी गई। इसके उपरांत उन्होंने गार्ड का निरीक्षण किया और तत्पश्चात अपराध समीक्षा बैठक में सहभागिता की। अपराध समीक्षा के दौरान पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला ने अपराध नियंत्रण एवं प्रभावी पुलिसिंग के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित अपराधों का त्वरित

निपटारा किया जाये। गंभीर एवं पुराने प्रकरणों की प्राथमिकता से विवेचना कर शीघ्र निराकरण किया जाए। स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। गौ-तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर सख्ती, गोवंश परिवहन, मादक पदार्थों की तस्करी एवं सट्टा-पट्टा जैसे अपराधों पर निरंतर निगरानी रखते हुए कठोर कार्रवाई की जाए। थाना प्रभारियों को ईमानदारी, पारदर्शिता एवं अनुशासन के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर पुलिसिंग को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनाया जाए। सामाजिक संस्थाओं एवं एनजीओ के सहयोग से अपराधों की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन ने बताया कि जिले का मुख्य उद्देश्य अपराधमुक्त, अनुशासित और सुरक्षित समाज का निर्माण करना है। विशेषकर महिला सुरक्षा, महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं युवाओं में जागरूकता पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रयास एक कोशिश, मैं हूं अभिमन्यु एवं प्रेरणा दीदी जैसे जागरूकता अभियान संचालित कर विद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं व छात्राओं को सशक्त एवं जागरूक किया जा रहा है। बैठक के अंत में पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम जोन मिथिलेश कुमार शुक्ला ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में स्मार्ट पुलिसिंग को व्यवहार में लाएं तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। यह अपराध समीक्षा बैठक बैतूल जिले में अपराध नियंत्रण, प्रशासनिक समन्वय एवं जनसहभागिता आधारित सशक्त पुलिसिंग प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

न जनरेटर लगाया और न ही बिजली व्यवस्था के लिए सब स्टेशन बनाया

19 करोड़ की लागत से बना क्रिटिकल केयर यूनिट, नहीं हुआ हैंडओवर

बैतूल। जिला अस्पताल में 19 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर यूनिट बनकर तैयार है। लेकिन इसे भवन को अभी तक हैंडओवर नहीं लिया है, जबकि भवन निर्माण पूरा हो चुका है। किन्तु अभी तक जनरेटर नहीं लगाया और न ही बिजली व्यवस्था के लिए अलग से छोटा सब स्टेशन बनाया है। जिला अस्पताल प्रबंधन ने इस संबंध में ठेका कंपनी को जल्द जनरेटर और सब स्टेशन के इंतजाम करने के लिए नोटिस भी जारी किया है। बता दे कि जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों के लिए अलग से 50 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट भवन बनाया गया है। जिसका करीब 2 साल पहले काम शुरू कराया था। तीन मंजिला इस भवन को अति आवश्यक अनिवार्य कार्यों की श्रेणी में रखा गया है, जहां अस्पताल आने वाले गंभीर और ऐसे मरीजों को रखा जाएगा, जिन्हें आईसीयू की जरूरत पड़ती है। किन्तु इस भवन में अभी तक उपचार शुरू नहीं हो पाया है। जिसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि ठेका कंपनी ने अभी तक जनरेटर नहीं लगाया और न ही बिजली व्यवस्था के लिए अलग से छोटा सब स्टेशन बनाया है। जिसकी वजह से इस भवन में उपचार प्रारंभ नहीं हो पाया है।

पार्किंग तोडक़र बनाया गया है भवन- क्रिटिकल केयर यूनिट भवन बनाने के लिए 2028 में 75 लाख से बनी पार्किंग को तोड़ा गया। इसके अलावा 2 करोड़ रूपये के बैलून अस्पताल को भी खोलकर रखना पड़ा। वहीं जिला अस्पताल में जो ब्रेंचे लगाई थी, वे सभी इस भवन के बनने के दौरान ठेकेदार ने तोड़ दी। पुराने जिला अस्पताल के चार मंजिला भवन से इस क्रिटिकल केयर यूनिट के भवन को जोडऩे के लिए ब्रिज बनाया है। इसके लिए पुराने भवन में तोडफ़ोड की गई। बताया जा रहा है कि 35 लाख का ऑक्सीजन प्लांट क्रिटिकल केयर यूनिट बनाने के दौरान ठेकेदार ने खराब कर दिया था। इसके बाद भी क्रिटिकल केयर यूनिट अभी तक शुरू नहीं हुई है।

जिन्हें किसी भी समय आईसीयू की जरूरत

अस्पताल के ठीक बाजू में 50 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट भवन बनाया है। इस भवन में उन मरीजों को भर्ती किया जाएगा, जिन्हें आईसीयू में भर्ती नहीं किया है, लेकिन उन्हें किसी भी समय आईसीयू की जरूरत पड़ सकती है। इसीलिए इन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट में रखा जाएगा और तुरंत बगल में स्थित आईसीयू में पहुंचा दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस क्रिटिकल केयर यूनिट में हैवी मशीनरी रहेगी। इसलिए भवन के बगल में सब स्टेशन बनाया जाना है। ठेकेदार ने यह सब स्टेशन अब तक नहीं बनाया है। इसी तरह इमरजेंसी बिजली व्यवस्था के लिए जनरेटर नहीं लगाया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यह सारी व्यवस्थाएं होने पर ही भवन हैंडओवर लिया जाएगा।

स्टॉफ की खलेगी कमी

अस्पताल भवन तो अच्छे बनकर तैयार तो हो रहे है लेकिन स्टॉफ की कमी खल रही है। क्रिटिकल यूनिट के संचालन में भी बडी संख्या में स्टॉफ की जरूरत पडेगी, लेकिन अस्पताल प्रशासन के पास स्टॉफ ही नहीं है। ऐसी स्थिति में क्रिटिकल यूनिट का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा। वैसे ही डॉक्टर से लेकर अन्य स्टॉप कम होते जा रहा है। नए स्टॉफ की भर्ती नहीं हो रही है। नतीजा यह है कि अस्पताल की व्यवस्था बिगडे ही रहती है। 150 बिस्तरीय महिला एवं शिशु चिकित्सा ईकाई की शुरूआत हुई है, जिसमें भी स्टॉफ की कमी खल रही है। स्टॉफ कम होने के कारण अस्पताल के मुख्य द्वार को अभी तक नहीं खोला है। पर्याप्त स्टॉफ नहीं होने से व्यवस्था बनाना बहुत मुश्किल हो गया है।

इनका कहना है -

क्रिटिकल केयर यूनिट का भवन बन चुका है। भवन के बगल में सब स्टेशन बनाया जाना है। ठेकेदार ने यह सब स्टेशन अब तक नहीं बनाया है। इसी तरह इमरजेंसी बिजली व्यवस्था के लिए जनरेटर नहीं लगाया है। ये व्यवस्थाएं होने पर ही भवन हैंडओवर लिया जाएगा।

- डॉ. जगदीश घोरे,
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

यह काम हमारे एस्टीमेट में नहीं है। अभी तक हमें कोई नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलेगा तो उसका जवाब दिया जाएगा।

- सुरेंद्र खत्री,
विस्को कंस्ट्रक्शन, मैनेजर

ककड़ी चोरी करने गए नाबालिग की करंट लगने से मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। ककड़ी चोरी करने गए नाबालिग की करंट लगने से मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सूचना प्राप्त हुई कि नाबालिग अमित उईके पिता राजू उईके उम्र 17 वर्ष का शव उसके घर के पास बाड़ी में पड़ा हुआ है। शव पंचायतनामा की कार्यवाही कर शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोली भेजा गया, जहाँ पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने इस मामले में धारा 194 बीएनएसएस पंजीबद्ध किया गया। जांच के दौरान मृतक के दोस्तों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि 11सितंबर की रात्रि को अमित अपने दोस्तों के साथ मोबाइल गेम खेल रहा था। इसी दौरान वह अपने एक नाबालिग मित्र के साथ पास के खेत में ककड़ी तोडने गया, जहाँ उसे करंट लग गया और उसकी मृत्यु हो

गई। जांच में पाया गया कि आरोपी हरि सलाम पिता छोटेलाल सलाम उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम चिखलीमाल ने अपने खेत की सुरक्षा के लिए बिजली के करंट वाले तार लगाए थे। घटना के बाद हरि सलाम ने बिना किसी को सूचना दिए तारों को निकालकर घर में छुपा दिया। बाद में अपने दामाद संतोष धुर्वे पिता मंसूलाल धुर्वे उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम पाण्डाझिरी के साथ मिलकर 12-13 सितंबर की मध्यरात्रि में मृतक का शव रस्सी और लकड़ी की बल्ली से बांधकर मृतक के घर के पास फेंक दिया। जांच उपरांत थाना बीजादेही पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 105, 238, 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 का प्रकरण पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जिला जेल भेजा गया है। प्रकरण में आरोपियों से खेत में लगाए गए करंट के तार, मृतक की चप्पल, शव को ले जाने में प्रयुक्त रस्सी और लकड़ी की बल्ली बरामद की गई है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बीजादेही उप निरीक्षक रवि शाक्य, सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट निरीक्षक आबिद अंसारी, सहायक उप निरीक्षक अवधेश वर्मा एवं आरक्षक ऋषिराज राठौर, डॉग मास्टर विवेक गाडगे एवं आर चालक सतीश कुमार की विशेष भूमिका रही।

जिले में एकलव्य विद्यालयों की होगी समग्र जांच: कलेक्टर

सभी एसडीएम को एकलव्य आवासीय विद्यालयों और छात्रावास परिसरों के निरीक्षण के दिए निर्देश

बैतूल। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिले में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावास परिसरों का विस्तृत निरीक्षण करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ, सुरक्षित और अनुशासित माहौल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, स्वास्थ्य परीक्षण, भवनों की स्थिति, वॉशरूम और पाइप लाइन की व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, भोजन की गुणवत्ता, खेल सुविधाएं, काउंसलर और नर्स की कार्यप्रणाली जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। खिडक़ी दरवाजे, सेप्टिक टैंक आदि का सूक्ष्म निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की गद्दे-तकिये जैसी आवश्यक वस्तुएं खराब स्थिति में मिलें तो तुरंत बदलकर दी जाएं। साथ ही मेस स्टाफ के व्यवहार और निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो। भोजन की गुणवत्ता और सैंपलिंग की जाएं। कलेक्टर सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि शिक्षकों और विद्यार्थियों से प्राचार्य के व्यक्तित्व पर चर्चा अलग-अलग सामूहिक चर्चा कर उनकी राय जानी जाए, ताकि व्यवस्थाओं की असल तस्वीर सामने आ सके। इसके साथ ही नवीन निर्माण कार्यों की स्थिति और उनका उपयोग, पिछले दो वर्षों की खरीदी की वित्तीय प्रक्रिया और स्वीकृति की गहन जांच भी की जाएगी।

ईएमआरएस शाहपुर के प्राचार्य पंकज शरण को किया भोपाल अटैच, के.के. कटारे होंगे प्राचार्य प्रभारी

बैतूल। एकलव्य आवासीय विद्यालय शाहपुर के छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उईके के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) शाहपुर, जिला बैतूल के प्राचार्य श्री पंकज शरण को तत्काल प्रभाव से राज्य ईएमआरएस सोसायटी, भोपाल में पदस्थ किया गया है। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र विकास समिति के डिप्टी कमिश्नर श्री कुमुद कुशवाह के आदेशानुसार, श्री पंकज शरण विद्यालय का प्रभार वाणिज्य प्रवक्ता (पीजीटी) श्री के.के. कटारे को सौंपकर आज ही भोपाल स्थित राज्य ईएमआरएस सोसायटी में रिपोर्ट करेंगे। श्री के.के. कटारे प्राचार्य प्रभारी के रूप में कार्य करेंगे और उन्हें प्राचार्य के सभी प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकार प्राप्त होंगे। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगी।

एकलव्य आवासीय विद्यालय और कन्या शिक्षा परिसर का किया संयुक्त निरीक्षण

अधिकारियों ने बच्चों से की चर्चा और भोजन की गुणवत्ता जांची

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर गुरुवार को जिले में शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर अधिकारियों की टीम पहुंची और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जानकारी के अनुसार जोगली स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में पांच सदस्यीय टीम ने निरीक्षण किया। इसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसीसी, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एवं दो महिला शिक्षिका शामिल रहीं। टीम ने शैक्षणिक गतिविधियों, उपस्थिति

रजिस्टर, भोजन व्यवस्था और अनुशासन की स्थिति का अवलोकन किया। बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई और समस्याओं की जानकारी भी ली गई। अधिकारियों ने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दिशा-निर्देश दिए और छात्र-छात्राओं को अनुशासन, स्वच्छता व नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। इसी प्रकार कन्या शिक्षा परिसर आमला का भी निरीक्षण किया गया। इस दल में एसडीएम, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान भोजन शाला की गुणवत्ता, रसोई घर की साफ-सफाई तथा खाद्यान्न भंडारण की व्यवस्था का बारीकी से परीक्षण किया गया। दल ने भोजन का स्वाद लेकर गुणवत्ता परखी और छात्राओं से फीडबैक भी लिया।

स्क्रैब हो चुके पुराने वाहनों का पुनः पंजीकरण करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 7 करोड़ की 24 बसें जप्त, राजस्थान के चार शातिर आरोपी

देवास। जिले के थाना बरोठा पुलिस को दिनांक 08.09.2025 को करीब 19:45 बजे मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम सिरोल्या स्थित सिंगाजी मंदिर के पास दो अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बस के चेचिस और इंजन नंबर के साथ छेड़छाड़ की जा रही है । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री एच.एन. बाथम के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक (एल-आर) श्री संजय शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी बरोठा के नेतृत्व में थाना बरोठा की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी 01.सददाम हुसैन पिता औरंगजेब मिर्जा उम्र 35 साल जाति मुसलमान निवासी ए-1 होटल के पास जंगी चैक गांधी नगर कॉलोनी, थाना प्रताप नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) 02.असरफ पिता ईशाक कुरैशी उम्र 35 साल निवासी ए-1 होटल के पास जंगी चैक गांधी नगर कॉलोनी, थाना प्रताप नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) को बस सहित सम्पूर्ण उपकरण सामग्री के साथ अभिरक्षा में लिया । जिन्होने पूछताछ में बताया कि हम लोग भीलवाड़ा राजस्थान के रहने वाले है । ग्राम भीमगढ़ जिला चित्तौड़गढ़ के राकेश गांधी नामक व्यक्ति के कहने पर यह करते है । राकेश गांधी इस प्रकार का गिरोह संचालित करता है जो अलग-अलग राज्यों से अवैध तरीके से वाहन खरीदने की हह्ष्ट जारी करवाता है और मध्यप्रदेश राज्य में ऐसे वाहन जो कि स्क्रैब की श्रैणी में आ चुके है उनका पुनः पंजीकरण करवाता है । दोनो आरोपियों ने राकेश गांधी के अपने अन्य साथी आरोपी 01.समीर उर्फ संजय पिता वहीद बेग उम्र 36 साल निवासी वार्ड क्रमांक 34 भवानी नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) 02.इसराज पिता इस्माईल मोहम्मद उम्र 49

साल निवासी वार्ड क्रमांक 34 भवानी नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) के बारे में बताया।

सम्पूर्ण प्रकरण पर थाना बरोठा में अपराध क्रमांक 383 /25 धारा 318(4), 341 (1),341(2) बीएनएस पंजीवद्ध कर 04 आरोपी गिरफ्तार किये गये व उनकी निशादेही पर 24 बसें जप्त की गई ।

गिरफ्तार आरोपी का नाम

1. सददाम हुसैन पिता औरंगजेब मिर्जा उम्र 35 साल जाति मुसलमान निवासी ए-1 होटल के पास जंगी चैक गांधी नगर कॉलोनी, थाना प्रताप नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) ।

2. असरफ पिता ईशाक कुरैशी उम्र 35 साल निवासी ए-1 होटल के पास जंगी चैक गांधी नगर कॉलोनी, थाना प्रताप नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) ।

3. समीर उर्फ संजय पिता वहीद बेग उम्र 36 साल निवासी वार्ड क्रमांक 34 भवानी नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) ।

4. इसराज पिता इस्माईल मोहम्मद उम्र 49 साल निवासी वार्ड क्रमांक 34 भवानी नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) ।

जप्त सामग्रीः- एक हुंडई की कार (द्व10) वाहन क्रमांक RJ51CA2696,उपकरण (पिन मशीन,कंप्रेसर पाइप,कंट्रोलर (AMA),एडाप्टर, Lenovo का लैपटॉप,ग्राइंडर,एक्सटेंशन बोर्ड,वायर आदि) एवं मौके से जप्त बस सहित 24 बसें कुल 24.7 करोड़ का मश्रुका जप्त ।

सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी बरोठा निरीक्षक श्री अजय गुर्जर, उनि मलखान सिंह भाटी, मयंक वर्मा, हर्ष चौधरी, सउनि हरीष कुमार, ईश्वर मण्डलोई, विनय तिवारी, गोरी शंकर,प्रआर 386 जितेन्द्र गोस्वामी,615 प्रदीप शर्मा,145 तेजसिंह,792 सचिन पाल,865 दयाराम, नंदराम,धर्मन्द्र जाधव, आर 262 विजेन्द्र,314 जगदीश,610 पीयूष पटेल,1045 विकास,1065 अजय पाल, 1069 आशीष,119 सूरज राठौर,132 अरूण परमार,437 पवन,1040 अक्षय कौशल,449 अतुल वर्मा एवं सायबर सेल टीम से प्रआर 802 सचिन चौहान,770 शिवप्रताप सिंह सेंगर,आर 1079 मोनू राणावत की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने सटोरियों के विरुद्ध की कार्यवाही

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने सटोरियो के ठिकानो का पता कर बडी कार्यवाही की है। पुलिस द्वारा पृथक-पृथक टीम का गठन कर सटोरियो के स्थानो पर दबिश दी गई और सट्टा लेख करने वालो को पकड़ा। सभी आरोपियो के विरूध्द पृथक-पृथक प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। आरोपी गण आदतन होने से सभी के विरूध्द प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही की जाकर आरोपीगण को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया एवं सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD AZIZ KHAN, H. No,299, Parmar Mohalla, Bilkisganj, Sehore (M.P), I declare that my old name was "MOHAMMAD AJIJ KHAN"son of "MOHAMMAD SHAHID" (old name) now has to changed "MOHAMMAD AZIZ KHAN" S/o "MOHAMMAD SAID KHAN" (new name).
Henceforth, I shall be known as "MOHAMMAD AZIZ KHAN" S/o "MOHAMMAD SAID KHAN" , in future for all purpose including all the official documentations.

4 जल प्रदाय योजनाओं से जिले के 545 ग्राम हर घर जल से होंगे लाभान्वित

समूह जल प्रदाय योजनाओं को निर्धारित समय पर पूर्ण कराएं : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। जिले में जल निगम द्वारा चार समूह जल प्रदाय योजना का निर्माण किया जा रहा हैं, जिससे बैतूल पश्चिम के 545 ग्राम हर घर जल उपलब्धता से लाभान्वित होंगे। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में जल प्रदाय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन सहित जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में बताया गया कि जिले में 215 करोड़ की लागत से घोघरी समूह जल प्रदाय का निर्माण प्रगतिरत हैं, जिसमें विकासखंड आमला, मुलताई और प्रभातपट्टन के 99 ग्राम लाभान्वित होंगे। योजना में 57 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ठेकेदार कंपनी विकरान इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को योजना में इंटेकवाल, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, रॉ वॉटर मैनेजमेंट, ओवर हेड टैंक के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि घोघरी योजना का कार्य समयसीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क रेस्टोरेशन का काम भी जल्द से जल्द पूर्ण कराएं।

जलनिगम को निर्देशित किया कि योजना पूर्ण करने का तय समय बढ़ता हे तो अनुबंध की राशि ठेकेदार कंपनी से काटी जाएग। इसका सख्त नोटिस भी दिया जाएं। 245 करोड़ की लागत से बनने वाली मेढ़ा समूह जल प्रदाय योजना की भी कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने समीक्षा की। बताया गया कि इस योजना से आमला, आठनेर, बैतूल और भैंसदेही के 241 ग्राम हर घर जल से लाभान्वित होंगे।

पूर्व निर्देशों के बावजूद योजना में निर्माण की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की और ठेकेदार एल एन मालवीय इंफ्रा लिमिटेड के विरुद्ध जनहित के कार्य में लापरवाही पर राशि वसूल करने के नोटिस देने के निर्देश जल निगम को दिए। साथ ही परफॉर्मेंस गारंटी की राशि भी जप्त किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने वर्धा और गढ़ा समूह जल प्रदाय योजना की भी समीक्षा की। बताया गया कि 102 करोड़ की लागत से बनने वाली वर्धा समूह जल प्रदाय योजना से आमला, मुलताई और प्रभातपट्टन के 70 ग्राम लाभान्वित होंगे । इसी प्रकार 54 करोड़ की लागत से गढ़ा योजना से बैतूल, चिचोली और घोड़ाडोंगरी के 21 ग्राम लाभान्वित होंगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्माण ठेकेदार एल एन मालवीय इंफ्रा लिमिटेड को संतोष जनक प्रगति नहीं लाने पर नाराजगी व्यक्त की और ठेकेदार को नोटिस देने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत एकल योजना की अद्यतन प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने 30 सितम्बर तक एफएचटीसी के शेष लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। रोड रेस्टोरेशन कार्य की भी समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रेस्टोरेशन कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। हर घर जल घोषित प्रमाणित ग्रामीणों की समीक्षा कर प्रगति नहीं होने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने सभी एसडीओ पीएचई के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही और वेतन रोके जाने का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। 15 दिन में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

औद्योगिक इकाइयां सीएसआर गतिविधियों को और अधिक जनोन्मुखी बनाएं : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। जिले की औद्योगिक इकाइयों को सामाजिक दायित्व (ष्टस्क्र) गतिविधियों को जनहित से सीधे जोड़ते हुए अधिक प्रभावी बनाएं। यह बात कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सीएसआर संबंधी बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयां सीएसआर को केवल औपचारिकता न मानें, बल्कि जिले की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप इसका सदुपयोग करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सीएसआर फंड की योजना बनाते समय संबंधित विभागों और प्रशासन से सुझाव अवश्य लिए जाएं। शासन और निजी क्षेत्र के समन्वय से ही इस धनराशि का बेहतर उपयोग संभव होगा। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि नवीन दिशा-निर्देशों के तहत औद्योगिक इकाइयों को अपने लाभ का 2 प्रतिशत सीएसआर गतिविधियों में खर्च करना अनिवार्य है। इन गतिविधियों के चयन और अनुमोदन की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति की होगी। श्री जैन ने सुझाव दिया कि सीएसआर के तहत खेल सामग्रियों की उपलब्धता, अस्पतालों, आंगनवाड़ियों और स्कूलों का सुदृढ़ीकरण तथा कम्युनिटी न्यूट्रीशन गार्डन जैसी गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा सकती है। उन्होंने सभी इकाइयों को अपनी वार्षिक सीएसआर योजना महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता एमपीपीजीसीएल श्री एसएन सिंह, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्री धीरज मंडलेकर, महाप्रबंधक वेस्टर्न कोल्ड फील्ड लिमिटेड लक्ष्मी कांत महापात्रा, बैतूल ऑयल लिमिटेड, श्रीजी शुगर, सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

लटेरी में खाद्य सुरक्षा प्रशासन अमले द्वारा निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की निरीक्षण टीम ने आज लटेरी शहर की विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को यह सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए कि वे नियमों के अनुसार खाद्य लाइसेंस प्राप्त कर ही व्यवसाय संचालित करें तथा उपभोक्ताओं को केवल गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री ही विक्रय करें। लटेरी के पुराने शहर स्थित अजीम किराना दुकान से चावल एवं रवा के नमूने लिए गए हैं, जिन्हें परीक्षण हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यकतानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।यह निरीक्षण कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी किरण श्रीवास्तव के नेतृत्व में संपन्न हुई।

पशुओं की सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने पशुओं की सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने एंव लोक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति या पशुपालक द्वारा अपने गौवंश या अन्य मवेशियों को जानबूझकर अथवा उपेक्षापूर्वक सार्वजनिक सड़क अथवा स्थान पर खुला छोड़ा जाता है तो संबंधित पशु पालक के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी। पशुपालक गौवंश व मवेशियों को अपने घर में बांध कर रखें यह सुनिश्चित हो, इस हेतु राजमार्गों एंव मुख्य सड़क मार्गो के आस-पास के गावों में स्थानीय निकाय द्वारा मुनादी करायी जाये। जारी आदेश अनुसार किसी भी पशु पालक के द्वारा बीमार, रोगग्रस्त, विकलांग गौवंश या मवेशियों को किसी मार्ग सड़क पर नहीं छोडा जा सकेगा। यदि ऐसा करना आवश्यक हो, तो संबंधित स्थानीय निकाय से सम्पर्क कर गौवंश को गौशाला संचालक को सौंपा जाये। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, मध्यप्रदेश रोड डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन, कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना द्वारा निर्मित सड़कों पर घुमन्तु गौवंश या मवेशियों के विचरण पर प्रतिबंध लगाने हेतु पूर्ण उत्तरदायित्व सडक निर्माण विभाग का होगा। संबंधित सड़क निर्माण विभाग सतत पेट्रोलिंग की कार्यवाही पूर्ण करते हुए पशुओं के तत्काल निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, साथ ही घायल पशुओं के ईलाज हेतु उप संचालक, पशुपालन एंव डेयरी विकास, हरदा से सम्पर्क कर तत्काल चिकित्सीय व्यवस्था उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगें। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सड़कों पर मृत अवस्था में मिले गौवंश या मवेशियों की सूचना जिला कंट्रोल रूम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आपातकालीन नंबर 1033 एवं संचालित पशु चिकित्सा इकाई के टोल फ्री नंबर 1962 पर दे सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223, पशु क्रूरता अधिनियम 1960 एवं मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 (यथा संशोधित 2022) की धारा 254 में वर्णित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

बाहरी व्यक्तियों द्वारा विद्युत पोलों व लाइनों पर कार्य करना निषिद्ध

सीहोर (निप्र)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधान के अनुसार बिजली कार्मिकों के अलावा बाहरी व्यक्तियों का बिजली के खंबों पर चढ़ना और लाइन पर कार्य करना निषिद्ध है। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकृत कार्मिक को ही नियमानुसार सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए बिजली खंबों पर चढ़ कर सुधार कार्य करने का अधिकार प्राप्त है। बिजली कार्मिकों के अतिरिक्त अन्य कोई बाहरी व्यक्ति बिजली खंबों पर चढ़ कर सुधार कार्य न करे। बाहरी व्यक्ति द्वारा विद्युत खंबे में चढ़ने से यदि कोई भी विद्युत दुर्घटना होती है, तो उस दुर्घटना के लिए वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा एवं किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति के लिये मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का दायित्व नहीं होगा। कंपनी ने कहा है कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति निर्देशों का उल्लंघन करते हुए अनाधिकृत रूप से बिजली के खंबों पर चढ़कर विद्युत लाइन में सुधार कार्य करते हुए पाया जाता है।

कड़ाई गौशाला का उपसंचालक ने किया निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुरजीत सिंह राजपूत ने 16 सितंबर को कड़ाई गौशाला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सृजन भारती समिति के सदस्य बलराम जसूजा, सचिव विजय हरोडे सहित विभाग की ओर से डॉ. यशपाल सिंह चौहान, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी बैतूल एवं सहायक एवीएफओ विनीत धुर्वे भी मौजूद रहे। गौशाला में घायल और बीमार पशुओं के निरंतर उपचार की सराहना करते हुए उपसंचालक ने निर्देश दिए कि अवर्णित नस्ल के सभी सांडों का 100 प्रतिशत बधियाकरण कराया जाए। साथ ही प्रजनन योग्य मादा गायों में उन्नत नस्ल सुधार के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग किया जाए। उन्होंने सभी पशुओं के 100 प्रतिशत टीकाकरण एवं कान में टैग लगे होने पर संतोष व्यक्त किया तथा गौशाला के सभी अभिलेख एवं पंजी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

किसान भाई खेतों की नियमित निगरानी करे

येलो मोजेक एवं कीटव्याधि के नियंत्रण उपाए

विदिशा (निप्र)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खापेडिया ने जिले के सभी किसान भाइयों से अपने खेतों की सतत् निगरानी करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यदि कि खेत में येलो मोजेक एवं कीटव्याधि नजर आती है तो अविलंब उपचार कर फसलों को क्षति पहुंचाने से बचाएं । येलो मोजेक एवं कीटव्याधि से बचाव के लिए कृषि विभाग द्वारा जो सुझाव दिए गए हैं। उप संचालक ने बताया कि विगत दिनों जिले में अत्यधिक वर्षा के कारण खरीफ की खडी फसलों मे जल भराव की स्थिति बन गई है। अतः कृषकों को सलाह दी जाती है कि वह अपने खेतो से पानी निकासी की उचित व्यवस्था करें। अपने खेत की नियमित निगरानी कर 3-4 जगह के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली, कीट का प्रकोप तो नहीं हुआ। यदि हुआ है तो कीड़ो की अवस्था क्या है। तदानुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनायें। पीला मोजेक रोग के नियंत्रण हेतु सलाह है कि तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक जैसे सफेद मक्खी एवं एफिड की रोकथाम हेतु पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायमिथोक्सम. लैम्बडा सायहेलोथ्रिन या बीटासायफ्लुथ्रिन. इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें। इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है।जहाँ पर केवल चक्र भृंग का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण हेतु प्रारम्भिक अवस्था में ही टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. या इमामेक्टीन बेन्जोएट का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधें के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें।

गरीब व वंचित वर्ग का सहारा बनें पैरालीगल वॉलेंटियर्स न्याय सबके लिए संकल्प को करें मजबूत: न्यायाधीश

हरदा में हुआ तीन दिवसीय नवनियुक्त पैरालीगल प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में 16 सितम्बर से ए.डी.आर. भवन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा में नव-नियुक्त पैरालीगल वालेंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन दिवसों तक संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री रघुवंशी ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। उन्होने नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को नालसा द्वारा संचालित की जा रही पैरालीगल वॉलेंटियर्स योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री चन्द्रशेखर राठौर ने समाज में पैरालीगल वॉलेंटियर्स की आवश्यकता तथा उनके द्वारा समाज निर्माण में किये जाने वाले महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्री सुधीर कुमार चौधरी ने विवाह, बच्चों को गोद लेने संबंधी नियमों, तलाक संबंधी नियमों, तथा सम्पत्तियों की खरीदी तथा विक्रय संबंधी पहलुओं के बारे में पैरालीगल वॉलेंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया ताकि वे इन सभी कानूनों के बारे में जानकारी प्राप्त करके समाज में पीड़ित लोगों की मदद कर सके तथा उनको विधिक सहायता उपलब्ध करा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री निसार अहमद ने नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को बच्चों के लिंग निर्धारण, भ्रूण हत्या, दहेज प्रताड़ना, आदि से संबंधित विधिक प्रावधानों के बारे में जानकारी दी, जिससे कि वे समाज में चल रही कुप्रथाओं पर रोक लगाकर उन्हें उचित सलाह दे सके। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री निमिष राजा ने आपराधिक कानूनों जैसे भारतीय दण्ड संहिता व सीआरपीसी के अंतर्गत आने वाली कुछ महत्वपूर्ण धाराओं तथा जमानत व गिरफ्तारी संबंधी तथ्यों के बारे में नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को बताया, ताकि वॉलेंटियर्स इन धाराओं की जानकारी के माध्यम से पीड़ित लोगों की मदद करके उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध करा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी, श्री सौरभ कुमार दुबे ने नवनियुक्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को उनके कर्तव्यों तथा कार्यों की जानकारी दी।

अल्पावधि स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

विदिशा (निप्र)। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा में 25 दिवसीय अल्पावधि स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण व्यक्तित्व विकास, सॉफ्ट स्किल एवं बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण विषय पर केंद्रित रहा। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा प्रायोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के तत्वाधान में उद्यमिता विकास केंद्र मध्य प्रदेश (सेडमैप) भोपाल के सहयोग से आयोजित हुआ। समापन कार्यक्रम का आरम्भ संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. बीडी अहिरवार, डॉ. नीता पांडेय, डॉ. मलखान सिंह एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। प्राचार्य डॉ. बीडी अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय केवल सैद्धांतिक ज्ञान का नहीं है, बल्कि इसके साथ ही ज्ञान के व्यावहारिक एवं व्यावसायिक पक्ष पर भी बराबर ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हुनर और कौशल से ही आत्मनिर्भरता आती है। इस अल्पावधि स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम की सार्थकता इस बात में है कि प्रशिक्षित छात्राएँ इसका सार्थक प्रयोग कर सकें। दिनेश गवाड़े ने प्रशिक्षण प्राप्त करने में छात्राओं के उत्साह की सराहना की एवं प्रशिक्षण के दौरान उनकी सक्रियता को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षित छात्राओं ने प्रशिक्षण के संदर्भ में अपने अनुभव भी व्यक्त किए। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. विनिता प्रजापति ने संचालन करते हुए प्रशिक्षण के उद्देश्यों को सामने रखा। महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रशिक्षित छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित कर अपना आशीर्वाद दिया। आभार प्रदर्शन प्रो. अस्मुरारी नंदन मिश्र द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत कृषि सखियों का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषि विज्ञान केंद्र, गोविंदनगर में 16 से 20 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत विकासखंड बनखेडी, पिपरिया एवं सोहागपुर की चयनित कृषि सखियों हेतु पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार बनखेडी श्रीमति अंजू लोधी उपस्थित रहीं। उनके साथ भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर के सहसचिव श्री केशव माहेश्वरी, न्यास के सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह पटेल, श्री मनोज राय तथा न्यास के प्रबंधक श्री धर्मेन्द्र गुर्जर मंचासीन रहे। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकगण भी उपस्थित रहे। समारोह में सफल जैविक खेती कर रहे श्री मनोज राय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्राकृतिक पद्धति से खेती करने पर उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है और खेती की लागत में कमी आती है। वहीं श्री भूपेन्द्र सिंह पटेल ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृषि सखियाँ गाँव-गाँव में महिलाओं को प्रेरित कर प्राकृतिक खेती को गति प्रदान करेंगी। मुख्य अतिथि श्रीमति अंजू लोधी ने कहा कि ÷प्राकृतिक खेती से न केवल भूमि की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होती है। कृषि सखियाँ इस परिवर्तन की प्रमुख प्रेरक बन सकती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया ताकि वे अपने-अपने क्षेत्र में महिलाओं को संगठित कर प्राकृतिक खेती का प्रसार कर सकें।

बच्चे उत्कर्ष का जन्मजात बहरापन कॉकलियर इंप्लांट नामक बीमारी का सफल ऑपरेशन हुआ

विदिशा (निप्र)। जन्मजात बहरापन कॉकलियर इंप्लांट नामक बीमारी से विदिशा जिले की बासौदा तहसील के ग्राम बीलाढाना के 3 वर्ष के बच्चे उत्कर्ष साहू का आरबीएसके योजना अंतर्गत एलएन मेडिकल कॉलेज एवं जेके हॉस्पिटल भोपाल में सफल ऑपरेशन हुआ है। शासन की योजना अंतर्गत निशुल्क स्वास्थ्य उपचार के बाद अब बच्चा स्वस्थ है चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा बच्चे का नियमित फॉलोअप लिया जा रहा है। बिल थाना गांव के श्री सुनील साहू और श्रीमती उमा साहू के घर में 8 मार्च 2022 को पुत्र का जन्म हुआ था। परिवार पुत्र को पाकर बहुत खुश था जन्म के बाद कुछ समय गुजर गया दिखने में बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ्य था। उम्र बढने के साथ-साथ अन्य गतिविधियां करने लगा लेकिन बोलने सुनने की एक निर्धारित आयु प्राप्त करने के पश्चात भी वह बोल एवं सुन नहीं पा रहा था एवं अनेक प्रकार की ध्वनि करने पर भी सुनने के संकेत नहीं मिल रहे थे। परिजन उसकी

स्थिति को देखकर बहुत चिंतित हो गये एवं घबरा गये। अनेक चिकित्सकों को दिखाने के बाद भी समस्या का निदान नहीं हो सका जब प्रकरण आरबीएस के टीम के संज्ञान में आया तब टीम ने आशा कार्यकर्ता एवं आंगन बाडी कार्यकर्ता के माध्यम से बच्चे की स्क्रीनिंग की। बच्चे को टीम

द्वारा जिला अस्पताल जांच एवं उपचार निर्धारण हेतु भेजा गया। परिजन बच्चे को लेकर जिला अस्पताल में स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में आये जहां सोशल वर्कर ने रजिस्ट्रेशन के उपरांत जिला चिकित्सालय में चिकित्सक का परामर्श लिया। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक श्रीमति श्रद्धा गुप्ता द्वारा बच्चे को संज्ञान में लेकर श्री सूनील साहू को आरबीएसके द्वारा चिन्हित हास्पिटलों में जाकर तुरत जांच करवाने की सलाह दी गई। परिजन अपनी इच्छा से बच्चे को एलएन मेडीकल कालेज एवं जेके हास्पिटल में जांच एवं उपचार हेतु लेकर गये। हास्पिटल में जांच के उपरांत ज्ञात हुआ कि बच्चा जन्मजात बहरापन रोग की समस्या से पीडित है। परिजन जांच की रिपोर्ट एवं स्टीमेट लेकर जिला चिकित्सालय स्थित शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में आए। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक श्रीमति श्रद्धा गुप्ता ने तत्परता से तुरंत प्रकरण तैयार समस्त औपचारिकताओं के पश्चात परिजनों को अनुमोदन पत्र प्रदान किया। समस्त तैयारियों के उपरांत 9 मई 2025 को आरबीएसके योजना के अंतर्गत बच्चे उत्कर्ष का कॉकलियर इम्पलांट का सफल आपरेशन हुआ। आपरेशन के बाद परिवार का खुशी का ठिकाना न रहा आज उत्कर्ष साहू का परिवार उपचार से पूर्ण संतुष्ट एव प्रसन्न है।

जिला बदर का आदेश जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के पालन प्रतिवेदन पर एक प्रकरण में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि विभिन्न अपराधों में लिप्त अनावेदक शुभम पाठक पुत्र लोकेश उम्र 33 वर्ष निवासी दुर्गाचैक तलैया मोहल्ला थाना कोतवाली विदिशा के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही छह माह के लिए की गई है। उक्त अवधि में विदिशा जिला एवं सीमावर्ती जिला रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर, राजगढ़ की राजस्व सीमा से छह माह की कालावधि के लिए उसे निष्कासित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गुरुवार को कटनी जिले के बड़वारा आगमन पर नागरिकों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को कटनी जिले के बड़वारा में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान स्वसहायता समूह की बहनों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कटनी के बड़वारा में सांदीपनी विद्यालय और विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित किया।

उज्जैन में क्षिप्रा किनारे के मंदिरों में पानी घुसा

इंदौर-नाले में बहने से बच्चे की मौत

भोपाल में बुधवार को 4 घंटे में ढाई इंच, गुरुवार को भी हुई झमाझम

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में ऐसा लग रहा बारिश की दौर फिर शुरु हो गया। भोपाल-इंदौर में बुधवार को अच्छी बारिश होने के बादग गुरुवार दोपहर को राजगढ़ के सारंगपुर और श्योपुर में तेज बारिश तो शाम को भोपाल में झमाझम बारिश हुई।

है। भोपाल, जबलपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। इस मानसूनी सीजन में औसत 42.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य कोटे से 7 इंच ज्यादा है।

रायसेन, सागर, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दतिया, नर्मदापुरम, ग्वालियर, जबलपुर, बैतूल, सीधी, नरसिंहपुर, गुना, दमोह, पांढुर्णा, डिंडौरी, विदिशा और सीहोर में भी बुधवार को हल्की बारिश दर्ज की गई।

इंदौर में नाले में बहे बच्चे का शव मिला- इंदौर में बुधवार रात ओमेक्स सिटी के पास नाले में 8 साल का बच्चा बह गया। मायाखेड़ी में रहने वाले राजपाल मालवीय अपने बेटे राजवीर को घर के पास एक ओटले पर छोड़कर थोड़ी दूर वाहन खड़ा करने गए थे। 10 मिनट बाद लौटे, तो राजवीर वहां नहीं था।परिजन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। लसूडिया पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन तेज बारिश और बहाव के कारण रात में सर्च ऑपरेशन शुरू नहीं किया जा सका। गुरुवार सुबह 5 बजे सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। जिसके बाद करीब 9 बजे राजवीर का शव नाले से बरामद किया गया।

इससे पहले भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर और नर्मदापुरम समेत 25 जिलों में बुधवार शाम से देर रात तक गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। भोपाल में कुछ सड़कों पर जाम लग गया था। इंदौर में एक 8 साल के बच्चे की नाले में बहने से मौत हो गई। उज्जैन में शिप्रा में बाढ़ से रामघाट के मंदिरों में पानी घुस गया। बैतूल के मुलताई में लोगों के घरों में पानी भर गया। सिवनी में संजय सरोवर बांध के 4 गेट खोल दिए गए। पांढुर्णा में बारिश की वजह से जाम नदी में बाढ़ आ गई।

भोपाल में सबसे ज्यादा ढाई इंच पानी गिर गया। शाजापुर में 2.1 इंच, इंदौर में 2 इंच, उमरिया में 1.9 इंच, उज्जैन-सिवनी में 1.8 इंच, रीवा में 1.6 इंच, टीकमगढ़ में 1.3 इंच बारिश दर्ज की गई। गुरुवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। कुछ जिलों में हल्की बारिश भी हुई।

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मानसून की विदाई के दौरान भी पूरे प्रदेश में तेज बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता

सीजन में चौथी बार खुले भदभदा डैम के गेट- भोपाल में शाम 7:30 बजे से रात 11:30 बजे तक सिर्फ 4 घंटे में लगभग ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। बड़ा तालाब एक बार फिर लबालब भर गया, जिससे रात में भदभदा डैम का एक गेट खोलकर पानी की निकासी करनी पड़ी। इस मानसून सीजन में चौथी बार डैम का गेट खोला गया है।

राज्यपाल ने राजा शंकरशाह- कुंवर रघुनाथशाह का किया पुण्य स्मरण

बलिदान दिवस कार्यक्रम राजभवन में मना

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने जनजातीय महानायक राजा शंकरशाह-कुंवर रघुनाथशाह के बलिदान दिवस पर उनका पुण्य स्मरण किया। उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के बैंक्वेट हॉल में गुरुवार को किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव सहित राजभवन के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी क्रांतिवीरों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

एमपी में 2.93 लाख पेंशनधारकों की पेंशन होल्ड

सरकार ने शुरू की 'पेंशन आपके द्वार' योजना की समीक्षा

कलेक्टरों को सघन मॉनिटरिंग के निर्देश

भोपाल (नप्र)। एमपी के 2.93 लाख बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं की पेंशन होल्ड किए जाने और डोर टू डोर वेरिफिकेशन के बीच अब पात्र पेंशन धारकों को समय पर पेंशन दिलाने पर सरकार का फोकस है।

इसी के चलते सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने सात साल पहले शुरू की गई पेंशन आपके द्वार योजना की समीक्षा करने के निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। कलेक्टरों से कहा गया है कि वे फील्ड से यह पता कराएं कि तय समय पर पात्र लोगों को पेंशन मिल रही है या नहीं।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सोनाली पोक्षे वायगंणकर ने इसको लेकर कलेक्टरों और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश जारी कर कहा है कि पेंशन आपके द्वारा योजना का शहरी और

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हो, इसके लिए कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योजना की नियमित समीक्षा करें।

प्रमुख सचिव वायगंणकर ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत सिंगल क्लिक के माध्यम से पेंशन राशि हितग्राहियों के खाते में हर माह ट्रांसफर की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कल्याणी, दिव्यांगजन, वृद्धजन को हर माह पेंशन राशि निकालने के लिए बैंकों के चक्कर न लगाना पड़े। इसके लिए पेंशन आपके द्वार योजना संचालित है।

योजना के अंतर्गत बैंकिंग करस्पॉन्डेंट्स के माध्यम से ऐसी ग्राम पंचायत में जिनसे बैंक या पोस्ट ऑफिस की दूरी 3 किलोमीटर से अधिक है, उन स्थानों पर बैंक करस्पॉन्डेंट्स, बैंकिंग सखीज, कॉमन सर्विस सेंटर, एसएचजी मेंबर्स के माध्यम से पेंशन राशि हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जाती है।

वायगंणकर ने कहा कि जिला स्तर पर इस योजना की सघन मॉनिटरिंग की जाए और जहां पर कोई कमी या शिकायत प्राप्त होती है। वहां कार्रवाई की जाए, जिससे राज्य शासन की मंशा अनुसार हितग्राहियों को पेंशन का सही समय पर लाभ प्राप्त हो सके।

रात में रेत डंपर जांचने पहुंचे जीतू, रॉयल्टी रसीद मांगी

शहडोल (नप्र)। शहडोल में कांग्रेस के मध्यप्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का अलग अंदाज दिखा। पटवारी ने यहां रेत से भरे डंपरों को रोका। ड्राइवरों से बात कर रॉयल्टी के कागज चेक किए। इसके बाद वे देवलोंद अस्पताल पहुंचे। यहां व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में रेत, शराब सहित अपराध माफिया हावी हैं। सरकार उनके सुपुर्द हो चुकी है। वे इस संबंध में मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करेंगे। दरअसल, पीपीसी चीफ पटवारी बुधवार को रीवा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां से लौटते वक्त उन्होंने शहडोल में सड़क पर रेत के डंपर देखे। उन्होंने अपना काफिला रुकवाया। फिर ड्राइवर से डंपर रोकने को कहा। टीपी और रॉयल्टी के कागज मांगे।

वे खुद डंपर पर चढ़ गए। ड्राइवर साइड के दरवाजे पर बैठकर रॉयल्टी समेत दूसरे कागज देखे। रॉयल्टी स्लिप में तारीख और समय दर्ज नहीं था। जिसको लेकर पटवारी ने इसकी वैधता पर सवाल उठाए।

कानून के साथ मजाक...

महिला ने पति पर पहले दहेज फिर 4 माह बाद रेप का केस लगाया, 6 साल बाद सुलह कर ली

ग्वालियर (नप्र)। कानून के प्रावधानों का किस प्रकार से दुरुपयोग किया जा सकता है, ये केस इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। पहले एक महिला ने पुलिस थाने में अपने पति व ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया। चार माह बाद उसी पति के खिलाफ एक और रिपोर्ट दर्ज कराई।

इस बार आरोप लगाया कि उसने शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। दोनों एफआईआर 2019 में दर्ज हुई थी। हालांकि, अब दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया है। इसी के आधार पर हाई कोर्ट ने दोनों एफआईआर को निरस्त करने का आदेश दिया है।

पहली एफआईआर...

इसमें आरोपी को पति बताया

3 जुलाई 2019 को गोले का मंदिर पुलिस ने महिला के आवेदन पर वन विभाग में पदस्थ युवक व उसके माता-पिता व अन्य परिजनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया। महिला ने इसमें आरोप लगाया कि शादी सात माह पहले ही हुई है। दो माह तक ठीक रखा फिर दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे।

दूसरी एफआईआर...

इसमें दुष्कर्म का केस लगाया

14 नवंबर 2019 को महिला ने कंपू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वन विभाग में पदस्थ आरोपी उसे भिंड से ग्वालियर लेकर आया। यहां किराए के घर में शादी का वादा कर कई बार दुष्कर्म किया। शादी का दबाव बनाया तो 100 रुपए के स्टाम्प पर शादी करने का दिखावा किया। बाद में बिना बताए गायब हो गया।

इधर कोर्ट में...

पिता ने कहा- बहू नहीं, बेटा बोला- पत्नी है

इस मामले में ससुर ने कोर्ट में दहेज प्रताड़ना का केस निरस्त करने याचिका लगाई। दावा किया कि उनके बेटे और महिला का विवाह नहीं हुआ। वहीं उनके बेटे ने दुष्कर्म का केस निरस्त करने जो याचिका लगाई, उसमें महिला को पत्नी बताया और तलाक के लिए कुटुंब न्यायालय में केस लगाने की जानकारी दी।

मजदूर महिला की किस्मत चमकी, 8 हीरे मिले

पन्ना में हीरा कार्यालय में कराए जमा, 8 में से 6 हीरे जेम्स क्वालिटी के

पन्ना (नप्र)। पन्ना में एक मजदूर महिला की किस्मत बदल गई। उसे एक हफ्ते के अंदर अपनी खदान से कीमती 8 हीरे मिले हैं। महिला का नाम रचना गोलदार है। वह बड़गड़ी गांव की रहने वाली है। रचना ने हीरा कार्यालय से पट्टा लेकर हजारा मुद्दा क्षेत्र में खदान लगाई थी। हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि इन 8 हीरों में से 6 जेम्स क्वॉलिटी के हैं, जिनका कुल वजन 2.53 कैरेट है। इनमें सबसे बड़े हीरे का वजन 0.79 कैरेट है। इसके अलावा 2 हीरे ऑफ-कलर के हैं। रचना गोलदार ने सभी हीरों को हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। इन्हें आगामी नीलामी में रखा जाएगा। इस साल में पहली बार एक साथ 8 हीरे जमा हुए हैं। इसके पहले भी 7 हीरे एक साथ जमा हुए थे।

4 से 5 लाख रुपए है अनुमानित कीमत- हीरा पारखी अनुपम सिंह के अनुसार, इन सभी हीरों की अनुमानित कीमत करीब 4 से 5 लाख रुपए है। नीलामी के बाद साढ़े 12 प्रतिशत रॉयल्टी काट कर बाकी पैसे महिला के खाते में डाल दिए जाएंगे।

रचना गोलदार के कुल 3 बच्चे हैं। इनमें एक लड़की और 2 लड़के हैं। दोनों लड़के बाहर प्राइवेट जॉब करते हैं। लड़की की शादी हो गई है। पति भी हीरा खदान का ही काम करते हैं। महिला ने बताया कि हीरे की नीलामी से मिलने वाले पैसों से वह अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारेगी। आगे भी हीरे की खदान लगाएगी।

'महिलाओं से रेप का वीडियो बनाने का आइडिया पत्नी का'

आरोपी बोला- उसे यकीन था तलाकशुदा महिलाएं शिकायत नहीं करेंगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में कॉर्पोरेट कंपनी और बैंक में काम करने वाली विधवा महिलाओं से रेप और ठगी करने वाले अविनाश प्रजापति ने पुलिस रिमांड के दौरान कई खुलासे किए हैं।

उसने बताया कि विधवा महिलाओं को शादी का लालच देकर संबंध बनाने और वीडियो शूट करने का आइडिया उसकी पत्नी चंद्रिका का था। चंद्रिका को यकीन था कि वीडियो वायरल होने की धमकी के डर से महिलाएं शिकायत करने की हिम्मत नहीं करेंगी। चंद्रिका विधानसभा चुनाव के नामांकन में मिर्ची बाबा की प्रस्तावक रह चुकी है।

बता दें, अविनाश की शनिवार को रिमांड खत्म हो चुकी है। इसके बाद बाग सेवनिया पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मिर्ची बाबा की तरफ से प्रस्तावक भी चंद्रिका- अविनाश की फरार चल रही पत्नी चंद्रिका पालीवाल का काला चिट्ठा सामने आया है। 15 दिन पहले ही पीड़िताओं ने पुलिस को आवेदन दिए थे, जिसमें बताया गया था कि चंद्रिका बुधनी विधानसभा में समाजवादी पार्टी की तरफ से नामांकन दाखिल करने वाले मिर्ची बाबा की प्रस्तावक थी। उसने चुनाव आयोग के समक्ष 2023 में हलफनामा में हस्ताक्षर भी किए थे।

पहली पत्नी को तलाक देकर दूसरी शादी- पुलिस के मुताबिक, पढ़ाई पूरी करने के बाद अविनाश की घरवालों ने शादी कर दी थी, लेकिन पहली पत्नी से उसकी बनी नहीं और दोनों का तलाक हो गया। तलाक के बाद अविनाश की मुलाकात चंद्रिका से हुई।

अविनाश ने पूछताछ में बताया है कि चंद्रिका नरसिंहगढ़ की रहने वाली है। दोनों ने शादी की और जब अविनाश का बिजनेस घाटे में जाने लगा तो उसने ठगी शुरू कर दी। चंद्रिका ने भी उसका साथ दिया। साल 2023 से दोनों ने मेट्रिमोनियल साइट से तलाकशुदा महिलाओं को ठगना शुरू किया।

डेढ़ साल पहले भोपाल में रहने आया था

अविनाश प्रजापति मूलतः नरसिंहपुर जिले का रहने वाला है। वह डेढ़ साल पहले ही भोपाल में रहने आया है। इससे पहले वह शाहपुरा के रोहित नगर में रहता था।अविनाश के पिता नरसिंहपुर में ग्राम सहायक थे। आरोपी के खिलाफ लोहे का सरिया बेचने के नाम पर, एप बनाने के नाम पर और निवेश करने का झांसा देकर लोगों से पैसा ऐंठने की एफआईआर दर्ज है।

ऐसे संपर्क में आए थे आरोपी पति और पत्नी

चंद्रिका पालीवाल भोपाल के मिसरोद में ऑटो मोबाइल कंपनी में सेल्स एक्जीक्यूटिव का काम करती थी। यहां उसकी लग्जरी कार खरीदते वक्त आरोपी अविनाश प्रजापति से दोस्ती हो गई थी। इसके बाद दोनों ने सहमति से शादी कर ली। चंद्रिका का भाई सूरज पालीवाल भी ठग है।

महिलाओं के सर्वांगीण विकास में मध्यप्रदेश पीछे नहीं : स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

सेवा पखवाड़ा अभियान में स्वयं सेवी संस्थाएँ बढ़-चढ़कर हो शामिल

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रदेश में शुरू हुए सेवा पखवाड़ा अभियान में स्वयं सेवी संगठन कल्याण के कार्यों में बढ़ चढ़करहिस्सा लें। इस प्रयास से हम समाज के अधिकतम लोगों की सेवा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े में नारी सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह बुधवार को विदिशा में 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाई हैं। जरूरत इस बात की है कि इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र महिला तक पहुँचे। इसके लिये हम सबको मिलकर समन्वय के साथ प्रयास करना पड़ेगा। शिशुओं के

स्वास्थ्य की चर्चा करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहाकि बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिये महिलाओं को जागरूक किया जाना जरूरी है। उन्होंने पखवाड़े के दौरान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये नवाचार किये जाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम को विधायक श्री मुकेश टंडन ने भी संबोधित किया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जानकारी दी कि जिले में महिलाओं, बालिकाओं और शिशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिये कैम्प आयोजित किये जायेंगे। जिला प्रशासन का प्रयास होगा की अधिक से अधिक नागरिक कैम्प में शामिल हो। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विदिशा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

रक्तदाताओं से की चर्चा

स्कूल शिक्षा मंत्री ने रक्तदान करने वाले व्यक्तियों से चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य से जुड़ी जाँच के लिये बनाये गये स्टॉलों पर पहुँचकर व्यवस्था की जानकारी ली। कार्यक्रम स्थल में टीबी रोग, सिकल सेल,एनीमिया, शुगर, बीपी सहित विभिन्न प्रकार की जाँच की व्यवस्था की गई थी।

विसर्जन कुंड का पानी हुआ प्राकृतिक तरीके से साफ

भोपाल महापौर ने बायो एंजाइम से किया स्प्रे, पूजन सामग्री फेंकने वालों को लगाई फटकार

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पहली बार विसर्जन कुंड के पानी को प्राकृतिक तरीके से साफ करने की पहल हुई है। बुधवार को महापौर मालती राय ने निर्माल्य सामग्री जैसे- नींबू, संतरे के छिलके, सड़े गुड़ से बना बायो एंजाइम को शाहपुरा स्थित कुंड में डाला। ऐसी ही पहल अन्य कुंड में भी की जाएगी। ताकि, कुंड का पानी साफ और स्वच्छ हो सके।

बॉयो एंजाइम से जल शुद्धिकरण की यह पहल एक्सपर्ट की देखरेख में की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के वैज्ञानिकों की मौजूदगी में महापौर राय समेत जोन अध्यक्ष और पार्षदों ने शाहपुरा विसर्जन कुंड में 500 लीटर घोल डाला। एक्सपर्ट का कहना है कि करीब एक सप्ताह के अंदर पानी साफ हो जाएगा।

वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रदूषण के कारण पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। इससे न सिर्फ जलीय जीव-जंतु मर जाते हैं, बल्कि पानी भी सड़ जाता है। बायो एंजाइम पानी को प्राकृतिक तरीके से साफ करता है। यह नींबू, संतरे के छिलकों, सड़े गुड़ और पानी को मिलाकर बनाया जाता है। यह एक प्राकृतिक, गै-विषैले और पर्यावरण के अनुकूल क्लीनर का काम करता है। इसका उपयोग कपड़े धोने के साथ बर्तन और हाथ धोने के लिए भी किया जा सकता है।